RNI No. 62592/95
email: u.p.observer@gmail.com

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

साप्ताहिक

मोदीनगर (गाजियाबाद) वर्ष : 32 अंक : 1 सोमवार 7 से 13 अप्रैल, 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : ₹3/=

जीडीए देगा नए पार्कों के विकास और वृक्षारोपण अभियान को बढ़ावा... ...2

सीएम योगी ने इथेनॉल प्लांट का किया उद्घाटन

बोले- देश में जल्द इथेनॉल से चलने लगेंगी गाड़ियां और हवाई जहाज

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार शाम सहजनवां में केयान डिस्टिलरी प्लांट का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने लोगों को रामनवमी की शुभकामनाएं दीं और गीडा के अंतर्गत नए उद्योग की शुरूआत के लिए भी बधाई दी। उन्होंने बताया कि 30 एकड़ में फैला यह प्लांट अनाज से इथेनॉल बनाएगा, जो देश और किसानों के लिए फायदेमंद साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्लांट शराब बनाने की फैक्ट्री नहीं, बल्कि एक इथेनॉल उत्पादन इकाई है। इससे पेट्रोल और डीजल की जगह इथेनॉल का इस्तेमाल को बल मिलेगा, जिससे गाड़ियां और हवाई जहाज भी चल सकेंगे। सीएम ने बताया कि भारत हर साल 7-8 लाख करोड़ रुपये का पेट्रोल-डीजल खरीदता है। अगर किसानों के अनाज से इथेनॉल बनेगा तो विदेशी मुद्रा बचेगी और किसानों की आमदनी बढ़ेगी। इससे देश मजबूत होगा और युवाओं को रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यहां रोजाना साढ़े तीन लाख लीटर इथेनॉल बनेगा, जो आगे बढ़कर पांच लाख लीटर तक पहुंचेगा। इस प्लांट में रेक्टिफाइड स्पिरिट भी तैयार होगी, जिसका इस्तेमाल आधुनिक दवाइयों में होगा। सीएम योगी ने कहा कि पिछले आठ साल में डबल इंजन की सरकार ने किसानों के हित में काम किया है। पहले सड़ा हुआ अनाज और गन्ना बेकार जाता था, लेकिन अब इससे इथेनॉल बन रहा है। उत्तर प्रदेश में 177 करोड़ लीटर इथेनॉल बन रहा है, जो पेट्रोल-डीजल के साथ मिलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने किसानों से कहा कि वे टूटा चावल, खराब गेहूं, पराली और गन्ना इस प्लांट में लाएं। यह डिस्टिलरी इन्हें खरीदेगी। इससे किसानों को अनाज का दाम तो मिलेगा ही, साथ में पराली और बेकार सामान से भी कमाई होगी। 1200 करोड़ रुपये की लागत से बने इस प्लांट से दो हजार लोगों को सीधे और इतने ही लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा।

सीएम योगी ने कहा कि आठ साल पहले गोरखपुर के गीडा में कोई निवेश नहीं करना चाहता था, लेकिन बीते आठ साल में यहां 15 हजार करोड़ से ज्यादा का निवेश आया है और 50 हजार युवाओं को नौकरी मिली है। गीडा में डिप्लोमा कोर्स और ट्रेनिंग की व्यवस्था भी शुरू की गई है। प्लास्टिक पार्क, गारमेंट पार्क और फ्लैटेड फैक्ट्री जैसे नए प्रोजेक्ट भी आने वाले हैं। उन्होंने कहा कि अब लोग मानते हैं कि यूपी और गोरखपुर में निवेश करना सुरक्षित है। उद्यमी गीडा में निवेश करने को इच्छुक हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टेक्नोलॉजी इतनी बेहतर हो चुकी है कि अब हमें निवेश के साथ-साथ पर्यावरण की रक्षा भी करनी होगी। उन्होंने ग्रीन एनर्जी के इस्तेमाल पर जोर देते हुए जीरो लिक्विड डिस्चार्ज और सौर ऊर्जा को अपनाने की बात कही। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि धरती माता की सेहत का ध्यान रखना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने उदाहरण दिया कि जैसे शरीर में धमनियां रक्त वाहिकाओं का काम करती हैं, वैसे ही धरती पर नदियां उसकी रक्त वाहिकाएं हैं। इसलिए हमें नदियों की स्वच्छता और उनके निर्बाध बहाव को बनाए रखना होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उद्घाटन से पहले इथेनॉल से भरे टैंकर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कंपनी के कर्मचारियों से मुलाकात की और डिस्टिलरी प्लांट की कार्यप्रणाली को करीब से देखा। इस दौरान उन्होंने कई युवाओं को कंपनी में नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र भी सौंपे, जिनमें मनीषा पांडेय, निशिता श्रीवास्तव, रवि किरन प्रसाद, दिवाकर सिंह और पंकज शर्मा शामिल थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में केयान डिस्टिलरी के नाम से इथेनॉल प्लांट स्थापित करने वाले उद्यमी विनय कुमार सिंह, उनके परिवारजनों और कंपनी में कार्य करने वाले सभी कर्मचारियों को रामनवमी की शुभकामनाएं दीं।

उद्घाटन समारोह में गोरखपुर के सांसद रविकिशन शुक्ला, महापौर मंगलेश श्रीवास्तव, विधायकगण प्रदीप शुकला, विपिन सिंह, फतेहबहादुर सिंह, महेन्द्र पाल सिंह, सरवन निषाद, एमएलसी डॉ धर्मेन्द्र सिंह, जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी, केयान डिस्टलरी के प्रबंधन निदेशक विनय कुमार सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

यूपी में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का अब नहीं हो सकेगा शोषण, योगी सरकार कर रही ये नई व्यवस्था

फरुर्खाबाद। जनपद में विभिन्न विभागों में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का शोषण किया जा रहा है। उन्हें समय से मानदेय भी नहीं मिलता है। आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को शोषण से राहत मिल सके, इसके लिए सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम बनाया जा रहा है। इसकी तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। शासन द्वारा स्वास्थ्य विभाग से आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का ब्योरा मांगा गया है। ताकि इन कर्मचारियों को निगम में स्थानांतरित किया जा सके। इससे कर्मचारियों को राहत मिलेगी और उन्हें समय से मानदेय मिलने के साथ-साथ अन्य सुविधाएं भी मिलेंगी। निगम बनने से कर्मचारियों का शोषण नहीं होगा। स्वास्थ्य विभाग में आउटसोर्सिंग से 150 कर्मचारी कार्यरत हैं।

आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से मानदेय दिया जाता है। कर्मचारियों को कटौती कर मानदेय दिया जाता है। वह भी समय से नहीं दिया जाता है। नवीनीकरण के नाम पर भी कर्मचारियों का शोषण कर उनसे धन वसूली की जाती है। ईपीएफ और ईएसआइ खातों में समय से धन जमा नहीं किया जाता है। एजेंसी के बदलने पर कर्मचारियों का ईपीएफ, ईएसआइ, जीएसटी की धनराशि पुरानी एजेंसी में ही रह जाती है। एससीएसटी, ओबीसी दिव्यांग और महिलाओं को आरक्षण की व्यवस्था नहीं की जा रही है। इसे देखते हुए सरकार उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम बनाने जा रही है।

'वक्फ बोर्डों पर नियंत्रण की मंशा नहीं', जेपी नड्डा ने नए कानून को लेकर फिर स्पष्ट की तस्वीर

नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार वक्फ बोर्डों को नियंत्रित नहीं करना चाहती, बल्कि यह सुनिश्चित करना चाहती है कि उनका संचालन कानून के दायरे में हो ताकि उनकी परिसंपत्तियों का इस्तेमाल मुस्लिम समुदाय के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार को बढ़ावा देने में हो।

भाजपा के 45वें स्थापना दिवस के अवसर पर पार्टी मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि तुर्किये और कई अन्य मुस्लिम देशों की सरकारों ने वक्फ की संपत्तियों को अपने नियंत्रण में ले लिया है। हम इनका (वक्फ बोर्डों) संचालन करने वालों से सिर्फ यह कह रहे हैं कि नियमों के अनुसार काम करें। संबोधन से पहले भाजपा अध्यक्ष ने पार्टी मुख्यालय पर पार्टी का ध्वज फहराया। इस अवसर पर पार्टी के कई नेता उपस्थित थे जिनमें विभिन्न सांसद एवं दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शामिल हैं।

1951 में जनसंघ से शुरू हुई भाजपा की राजनीतिक यात्रा का उल्लेख करते हुए नड्डा ने कहा कि आज भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई है और कई राज्यों की सत्ता में है क्योंकि यह कांग्रेस के विपरीत वोटों के लिए कभी अपनी विचारधारा से नहीं डिगी। भाजपा विचारधारा और जनाधार वाली पार्टी है।

उन्होंने कहा कि गुजरात में भाजपा की लगातार छठी बार, गोवा और हरियाणा में तीसरी बार, मध्य प्रदेश में चौथी बार और महाराष्ट्र, उत्तराखंड, मणिपुर, असम, उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा में दूसरी बार सरकार बनी है। 27 वर्षों बाद पार्टी ने दिल्ली में भी सरकार बनाई है।

संगठन का विस्तार और चुनाव में जीत एक कला और विज्ञान है

नड्डा ने कहा कि भाजपा एकमात्र राजनीतिक पार्टी है जो वैज्ञानिक विकास की साक्षी रही है। संगठन का विस्तार और चुनाव में जीत एक कला और विज्ञान है। हालांकि हमारे विरोधी संसद में हम पर कटाक्ष करते हैं, लेकिन वे यह भी कहते हैं कि हम दुनिया में सबसे बड़ी पार्टी हैं। यहां तक कि हमारे विरोधी भी हमारी ताकत पहचानते हैं।

नड्डा ने कहा कि भाजपा ने राष्ट्र को हमेशा पहले रखा है और भारत की परंपराओं, संस्कृति एवं इतिहास को बढ़ावा देने का प्रयास किया है। पार्टी के शासनकाल में ही अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि शाहबानो केस में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस मुस्लिम समुदाय के कुछ वर्गों के दबाव में झुककर तुष्टीकरण की राजनीति में फंस गई थी।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा मुस्लिम महिलाओं की मुक्ति का आह्वान करने के बावजूद किसी में भी निर्णायक कार्रवाई करने का साहस नहीं था। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने तत्काल तीन तलाक को खत्म कर दिया और मुस्लिम महिलाओं को मुक्ति दिलाई। मोदी सरकार ने उन लोगों को भी नागरिकता के अधिकार दिए जो पाकिस्तान में धार्मिक प्रताड़ना का सामना करने के बाद भारत आए थे।

उन्होंने भाजपा की सफलता का श्रेय श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी जैसे पार्टी के दिग्गज नेताओं को दिया। आज लोकसभा में हमारे 240 सदस्य, राज्यसभा में 98 सदस्य और देशभर में 1,600 से ज्यादा विधायक हैं। हमने हाल ही में अपना सदस्यता अभियान खत्म किया है और भाजपा सदस्यों की संख्या 13.5 करोड़ पार कर गई है। देशभर में हमारे 10 लाख से अधिक सक्रिय कार्यकर्ता हैं।

सीएम धामी के सभी डीएम को निर्देश, पेयजल आपूर्ति और जंगल की आग के नियंत्रण पर दें विशेष जोर

उत्तराखंड। सीएम धामी ने आज प्रदेश क सभी जिलाधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक की। इस दौरान उन्होंने सभी को निर्देश दिए कि वे अपने जनपदों में पब्लिक सर्विस डिलीवरी, सड़कों को गड्ढा मुक्त करने, पेयजल आपूर्ति बनाए रखने और वन अग्नि पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विशेष ध्यान दें। कहा कि सड़क निर्माण व मरम्मत, बिजली और पानी की आपूर्ति पर लगातार निगरानी भी रखें।

सीएम ने जन समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने और 1905 और 1064 जैसे पोर्टलों पर प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने के भी दिए दिए। कहा कि श्रद्धालुओं को चारधाम यात्रा में हर संभवन मदद मिल सके इस पर विशेष ध्यान दें।

साथ ही अवैध अतिक्रमण, अवैध मदरसों पर विशेष अभियान चलाने, सभी विभागीय कार्यों की मॉनिटरिंग, सत्यापन अभियान में तेजी लाने और स्थानीय प्रशासन के साथ तालमेल बढ़ाने के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

प्रातः कालीन बैठक के दौरान प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को सड़क निर्माण व मरम्मत, बिजली और पानी की आपूर्ति पर लगातार निगरानी रखने और इसके दृष्टिगत सुधारात्मक कार्यवाही को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

ट्रंप टैरिफ से बाजार में आई तबाही के बाद एक्शन मोड में सरकार

नई दिल्ली। वैश्विक व्यापार युद्ध की चिंता और अमेरिका में मंदी की बढ़ती आशंकाओं के बीच सोमवार को पूरी दुनिया के शेयर बाजार में भारी बिकवाली दिखी। भारतीय बाजार भी इससे अछूता नहीं रहा और सेंसेक्स व निफ्टी जैसे प्रमुख सूचकांक चार फीसदी से ज्यादा टूट गए।

वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच भारतीय शेयर बाजार के लिए सोमवार को ब्लैक मंडे साबित हुआ। यूएस ने 180 से ज्यादा देशों पर टैरिफ लगाया है। इसके जवाब में चीन ने अमेरिकी उत्पादों पर 34 प्रतिशत का जवाबी टैरिफ लगा दिया है। इससे विश्व में ग्लोबल ट्रेड वॉर की चिंता गहराई गई है। इसके अलावा, विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी है। इससे बाजार में चौतरफा बिकवाली देखने को मिल रही है।

ट्रंप टैरिफ से मचे कोहराम के बाद केंद्र सरकार भी एक्शन मोड में आ गई है। सूत्रों का कहना है कि, इस मुद्दे

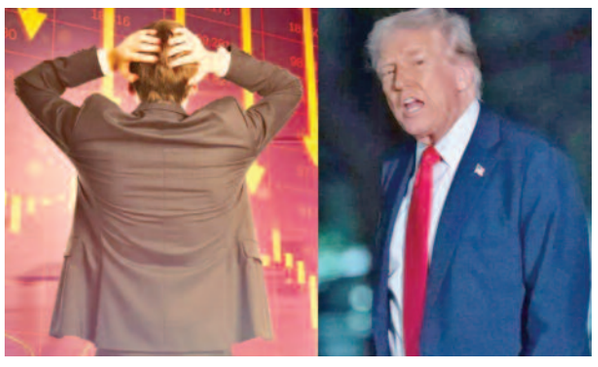

पर पीएमओं, उद्योग, विदेश और वित्त मंत्रालय के बीच लगातार चर्चा जारी है। इसी मुद्दे को लेकर सरकार बुधवार को एक अहम बैठक करने जा रहा है। उद्योग मंत्रालय एक्सपोर्टर्स के साथ अहम बैठक कर सकता है। सभी एक्सपोर्टर्स के साथ चर्चा करने के बाद सरकार कई महत्वपूर्ण कदम उठा सकती है। सूत्रों का कहना है कि, सरकार एक्सपोर्ट प्रमोशन स्कीम को जल्द लागू कर सकती है। सरकार ने बजट में इस स्कीम का ऐलान किया था।

2 अप्रैल को ट्रंप के कई देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने के बाद केंद्र सरकार ने इसका आकलन करने के लिए एक समिति बनाई है। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में इस कमेटी का गठन किया गया है। इस समिति में चार मंत्रियां को भी शामिल किया गया है। ट्रंप ने भारतीय सामान जो अमेरिकी बाजारों में जाएंगे उस पर 26 फीसदी टैरिफ लगाया गया। अमेकिरी ट्रेरिफ का भारतीय बाजारों पर कैसा असर होगा। इसका आकलन भी केंद्र सरकार की यह कमेटी करेगी। ट्रेरिफ के विकल्प को कम कैसे किए जाए इसके विकल्पों के बारे में भी विचार किया जा रहा है।

सोमवार को सेंसेक्स 4000 अंक के करीब गिरकर 71,449.94 पर ओपन हुआ था। जबकि शुक्रवार को यह 75,364.69 अंक पर बंद हुआ था। दोपहर 12:30 बजे सेंसेक्स 3226.19 अंक या 4.28 प्रतिशत की बड़ी गिरावट लेकर 72,138.50 पर था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 1000 अंक से ज्यादा की गिरावट लेकर 21,758.40 पर खुला। शुक्रवार को यह 22,904 पर बंद हुआ था। दोपहर 12:30 बजे निफ्टी 1,047.50 अंक या 4.57% की बड़ी गिरावट के साथ 21,856.95 अंक पर था।

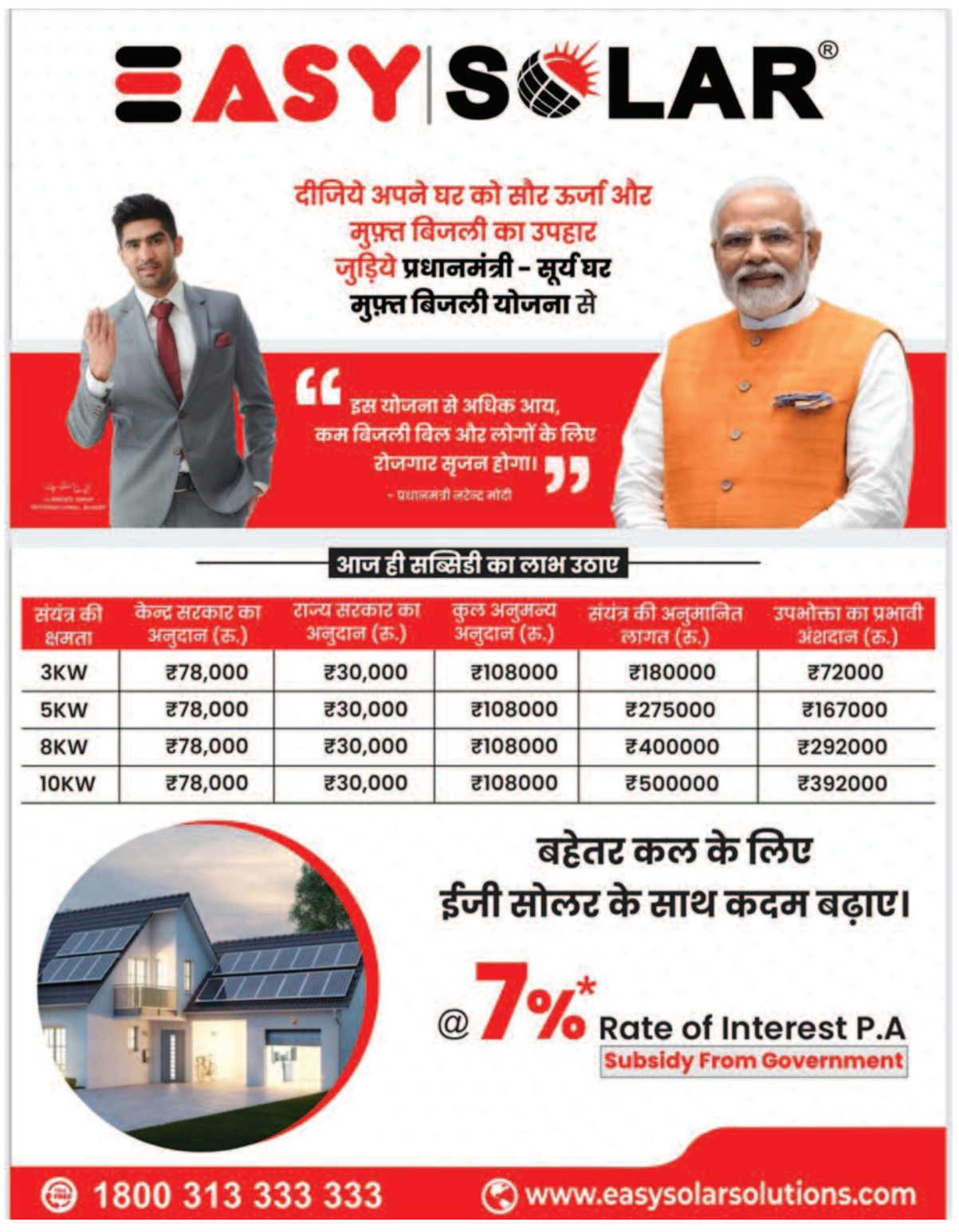

डीसीसीसी के सफलतापूर्वक 3 वर्ष पूर्ण होने पर निगम में आयोजित हुआ सम्मान समारोह

महापौर व नगरायुक्त ने उत्कृष्ट कार्य करने वालों को किया सम्मानित

- डेडीकेटेड कंट्रोल कमांड सेंटर के सफल संचालन हेतु गाजियाबाद नगर निगम को लखनऊ में किया गया सम्मानित
- जन सहयोग से शहर में किया जा रहे हैं बेहतर कार्य : नगर आयुक्त
- डेडीकेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर शहर वासियों के लिए लाभकारी : महापौर

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। डेडीकेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर के 3 वर्ष पूर्ण होने पर उत्तर प्रदेश के सभी नगर निकायों मे सम्मान समारोह आयोजित किए गए। जिसके क्रम में गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय पर भी कार्यक्रम का आयोजन हुआ । जिसमें शहर में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया । जिसमें न केवल सफाई मित्रों को गाजियाबाद नगर निगम द्वारा सम्मानित किया गया बल्कि शहर वासियों में से भी बेहतर शहर हित में कार्य करने वालों को निगम द्वारा सम्मानित किया गया ।जिसमें कई सामाजिक संस्थाओं स्कूल तथा समाजसेवियों को सम्मानित किया गया।

मौके पर अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज तथा गाजियाबाद नगर निगम के ब्रांड एंबेसडर शिवम उपस्थित रहे। नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम में डेडीकेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर को आज 3 वर्ष पूर्ण हुए हैं । जिसमें प्रतिदिन प्रात 4 बजे से ऑनलाइन साफ-सफाई की व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा मॉनिटरिंग करने का कार्य प्रारंभ हो जाता है ।जिसकी टीम को आज सम्मानित किया गया । इसके अलावा शहर में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को भी सम्मानित करते हुए मोमेंटो भेंट किए गए उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई मित्र, स्कूल समाजसेवी जो सफाई व्यवस्था को बेहतर करने में निगम का सहयोग करते हैं उनको सम्मानित किया गया । इसके अलावा हम कंपोस्टिंग व अन्य योजनाओं को सफल बनाने के कार्य करने वालों को भी सम्मानित किया गया। अंतिम चौधरी प्रिंसिपल बी गर्ल्स स्कूल, जयंत आनंद वार्ड संख्या 69 लोहिया नगर के निवासी, रमा त्यागी आर्य नगर कोटगांव, विजेंद्र कुमार संजय नगर रमिता ग्रीन फील्ड स्कूल, निधि गोद जीकेजी इंटरनेशनल स्कूल, योगेश कुमार ऊउउउ ऑपरेटर को सम्मानित किया गया।

महापौर सुनीता दयाल द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय में आयोजित डेडीकेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से जन समस्याओं के समाधान में भी बेहतर कार्य निगम अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है जो की सराहनीय है । इसके अलावा गाजियाबाद नगर निगम को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित भी किया जा रहा है । जिसके प्रशस्ति पत्र लेने के लिए अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार द्वारा कार्यक्रम में भाग लिया गया है। जो कि शहर के लिए गर्व का विषय है आयोजित कार्यक्रम में महापौर तथा नगर आयुक्त द्वारा सभी उपस्थित जनों को आगे भी इसी प्रकार शहर हित में कार्य करने के लिए मोटिवेट किया गया। अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम अंतर्गत चल रहे डेडीकेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर के तीन वर्ष सफलतापूर्वक संपन्न होने पर गाजियाबाद नगर निगम को माननीय मंत्री नगर विकास द्वारा सम्मानित किया गया । साथ ही गाजियाबाद नगर निगम में जन सहयोग से किया जा रहे कार्यों की सराहना भी की गई।

सैन्य प्रशिक्षण का प्रदर्शन देख याद आई आजाद हिंद फौजः राज्यपाल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। महानगर के 700 स्कूली छात्र छात्राओं ने हरिद्वार के दयानंद खेल स्टेडियम, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सैनिक संस्था और अखंड हिंद फौज के संयुक्त प्रयासों से सैनिक प्रशिक्षण का जमीनी प्रदर्शन किया। ये छात्र छात्राएं उत्तर प्रदेश के विभिन्न स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे है जिन्हें एक अच्छा नागरिक बना दिया गया है और सेना में जाने के लिए भी प्रारंभिक सैनिक प्रशिक्षण दे दिया गया है। राष्ट्रीय सैनिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर चक्र प्राप्त कर्नल तेजेंद्र पाल त्यागी ने कहा कि जिन्हें प्रारम्भिक सैनिक प्रशिक्षण मिला है वो न तो बस जलाएंगे और न ही सरकारी संपत्ति का नुकसान करेंगे। उन्होने कहा कि 2016 से आज तक करीब 15 हजार बच्चों को प्रारम्भिक सैनिक प्रशिक्षण दिया गया है। ये बच्चे देश की धरोहर हैं। इनकी सेवाएं आपात स्थिति में देशहित के लिए ली जा सकती है। उत्तराखंड के राज्यपाल माननीय लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने प्रशिक्षित बच्चों का सेल्यूट लिया और कहा कि आज इन बच्चों की बेहतरीन ड्रिल और करतब देखकर मुझे आजाद हिन्द फौज का स्मरण हो रहा है। उन्होंने राष्ट्रीय सैनिक संस्था और अखंड हिन्द फौज के सभी सदस्यो की कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और ईमानदारी की प्रशंसा करते हुए कहा कि मुझे लगा है कि आने वाली पीढ़ी इस देश को उच्चतम शिखर तक ले जाएगी। राज्यपाल जनरल गुरमीत सिंह ने रजय हिंदर के चुंबकीय महत्व और सामाजिक महत्व का विश्लेषण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. डॉ पवन सिन्हा ने बच्चों को व्यक्तिगत चरित्र और राष्ट्रीय चरित्र में फर्क समझाया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि मैं युवाओं को गीता पढ़ने से ज्यादा फुटबॉल खेलने को कहूंगा।

तिगरी गोल चक्कर पर बनेगा गाजियाबाद का भव्य प्रवेश द्वार

महापौर ने किया शिलान्यास, 2 करोड़ 28 लाख की लागत से बनेगा स्वागत द्वार

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। नोएडा से तिगरी गोल चक्कर होते हुए विजय नगर गाजियाबाद में प्रवेश करते है जिससे लोगो को गाजियाबाद में प्रवेश का पता नही चलता है ।इसी क्रम में एक द्वार का कार्य यू पी गेट पर चल रहा है और ऐसे ही आज तिगरी गोल चक्कर पर एक प्रवेश द्वार निर्माण का शिलान्यास महापौर सुनीता दयाल के कर कमलों द्वारा किया गया है। जिसमे मुख्य रूप से मण्डल अध्यक्ष हेमराज माहौर, अवर अभियंता एस के सरोज उपस्थित रहे।

चुनाव के बाद से ही महापौर सुनीता दयाल ने शहर के मुख्य प्रवेश पर द्वार बनवाने की प्लानिंग की हुई थी। जिसके लिए यू पी गेट पर प्रवेश द्वार का निर्माण पूर्व में ही शुरू हो गया था और आज तिगरी पर प्रवेश का निर्माण कार्य शुरू किया गया है जिसकी लागत लगभग 2 करोड़ 28 लाख है। महापौर सुनीता दयाल ने बताया कि हमारे शहर के बाहरी हाइवे से लोग निकल जाते है और गाजियाबाद के पता भी नही चलता है । यह प्रवेश द्वार बनाये जाने से शहर की जानकारी होगी और शहर की सुंदरता बढ़ेगी। यह द्वार शहर की पहचान बनेंगे और इनका रूप भी भव्य होगा जिसको देख कर अन्य शहरवासी भी प्रेरणा लेकर अपने शहर में इसी मॉडल के द्वार बनाएंगे। इस द्वार में ढोलपुरी पत्थर, रंग बिरंगी लाईट, आस पास हरयाली से साज सज्जा की जाएगी जो दूर से ही लोगो को आकर्षित करेगी।

शहर में हरियाली बढ़ाने के लिए जीडीए गंभीर

नए पार्कों के विकास और वृक्षारोपण अभियान को बढ़ावा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स द्वारा शहर में दिन प्रतिदिन जनसंख्या घनत्व बढने, शहर के मध्य से अन्तरजनपदीय एवं अर्न्तराज्यीय वाहनों/ट्रेनों के आवागमन से वातावरण दूषित होता है। जिसके लिये शहर को प्रदूषण मुक्त रखने के लिये विशेष प्रयास किये जाने के निर्देश दिये गये है। इस क्रम में प्राधिकरण द्वारा पर्यावरण सुधार कार्यक्रम के अर्न्तगत प्रति वर्ष वृहद वृक्षारोपण का कार्यक्रम संचालित किया जाता है।

इसके अतिरिक्त शहर में अधिक से अधिक हरियाली विकसित करने के लिये नये पार्कों का विकास एवं पूर्व विकसित पार्कों का सुदृढीकरण एवं समुचित रख-रखाव प्राधिकरण द्वारा किया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण एवं सन्तुलन की दृष्टि से मधुबन-बापूधाम योजना के डी-ब्लॉक में 03 पार्क एवं बी-ब्लॉक में 05 पार्क कुल 08 पार्कों (क्षेत्रफल 25000 वर्ग0 मी0) का उद्यानिक विकास, प्राधिकरण द्वारा किया जा रहा है। पार्कों को जन उपयोगी व आकर्षक बनाने के लिये लैण्डस्केपिंग, सिचाई हेतु स्प्रिंकलर सिस्टम, बच्चों के खेल-कूद हेतु झूले, अल्प विश्राम हेतु गार्डन बैन्च व डस्टबिन की स्थापना की जायेगी। पार्कों में भ्रमण एवं स्वास्थ्य लाभ हेतु कच्चे पाथ निर्मित किये जा रहें है।

सभी पार्कों में फलदार, छायादार एवं शोभाकार पौधों जैसे-आम, जामुन, शहतूत, कदम, अमलतास, कचनार, चॉदनी, टिकोमा, गुडहल, फाईक्स बैन्जामिना आदि पौधो का रोपण किया जायेगा। इसके अतिरिक्त उपाध्यक्ष अतुल वत्स द्वारा ग्रीष्मऋतु को दृष्टिगत रखते हुये निर्देशित किया गया है कि सभी पार्को, सैन्ट्रलवर्ज, ग्रीनवर्ज आदि पर नियमित रूप से आवश्यकतानुसार वाटरिंग आदि की व्यवस्था किया जाना सुनिश्चित किया जाये।

डेढ़ साल में गाजियाबाद नगर निगम के कर्ज के ग्राफ में आई भारी कमी

डेढ़ साल में नगर निगम की लायबिलिटी में हुई 70% की कमी, 50 से 55 करोड़ शेष

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में नगर आयुक्त की रही अहम भूमिका
- शहर के विकास कार्यों को रफ्तार देने के साथ-साथ लायबिलिटी को भी किया गया कम -नगर आयुक्त

गाजियाबाद। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में जहां गाजियाबाद नगर निगम लगातार शहर में विकास कार्यों को रफ्तार दे रहा है । वहीं गाजियाबाद नगर निगम की लायबिलिटी भी कम होती दिखाई दे रही है । वित्तीय वर्ष 2023-24 में गाजियाबाद नगर निगम की लायबिलिटी लगभग 200 करोड़ थी ।

जिसको वित्तीय वर्ष 2024- 25 के अंत तक लगभग 70 % कम कर दिया गया है। वर्तमान में गाजियाबाद नगर निगम पर लगभग 50 से 55 करोड़ की देयता बची हुई है। जिसको खत्म करने के लिए गाजियाबाद नगर निगम बेहतर प्लानिंग के क्रम में जुटा हुआ है । अकाउंट विभाग के साथ-साथ सभी विभागों की अहम भूमिका गाजियाबाद नगर निगम की लायबिलिटी को खत्म करने में रही है। महापौर सुनीता दयाल, जनप्रतिनिधियों व पार्षदों के सहयोग से शहर के विकास को भी बरकरार रखा गया है । बल्कि निर्माण विभाग, उद्यान विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जलकल विभाग व प्रकाश विभाग के माध्यम से करोड़ों के कार्य शहर हित में कराए गए हैं। जिसमे निर्माण विभाग का 194 करोड़ उद्यान विभाग का 62 करोड़ जलकल विभाग का 139 करोड़ स्वास्थ्य विभाग का 219 करोड़, प्रकाश विभाग का 33 करोड़ वित्तीय वर्ष 2024-25 का बजट रहा है। नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि जहां गाजियाबाद नगर निगम शहर में विकास के कार्यों को बेहतर तरीके से कर रहा है । वही गाजियाबाद नगर निगम की बड़ी लायबिलिटी को भी खत्म करने में जुटा हुआ है जो की जनप्रतिनिधियों तथा निगम अधिकारियों के विशेष सहयोग से मुमकिन हो पा रहा है। बची हुई देयता को भी गाजियाबाद नगर निगम प्लानिंग बनाते हुए आगामी कुछ माह में पूर्ण रूप से समाप्त करने का प्रयास कर रहा है। महापौर तथा नगर आयुक्त के कुशल नेतृत्व में गाजियाबाद नगर निगम द्वारा शासन की योजनाओं को भी शहर तक लाने का कार्य रफ्तार से किया जा रहा है । निगम की आय में भी वृद्धि हो रही है। वर्तमान आर्थिक स्थिति निगम की मजबूत दिखाई दे रही है। समय से कर्मचारियों के वेतन भुगतान के साथ-साथ ठेकेदारों की भी भुगतान प्रक्रिया को गाजियाबाद नगर निगम रफ्तार दे रहा है। योजना के क्रम में नए-नए कार्य शहर में हो रहे हैं जो की सराहनीय हैं।

गाजियाबाद लोहा विक्रेता मंडल का क्रिकेट टूर्नामेंट

जीएलवीएम प्रीमियर लीग का शुभारंभ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। लोहा विक्रेता मंडल के तत्वाधान में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष की वीवीआईपी क्रिकेट ग्राउंड नेहरू नगर स्टेडियम में दिन रात्रि का मैच प्रारंभ हुआ। प्रथम मैच जिंदल सूर्या रॉक्स और डीएनएम रुंगटा फोर्स के मध्य हुआ। मैच का उद्घाटन गाजियाबाद लोहा विक्रेता मंडल के अध्यक्ष डॉ.अतुल कुमार जैन और चेयरमैन जयकुमार गुप्ता ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय करते हुए फीता काटकर किया।

राष्ट्रीय गान के साथ मैच प्रारंभ हुआ, जिंदल सूर्या रॉक्स की टीम के कप्तान नीरज गर्ग ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया, दिन और रात्रि में खेले जा रहे इस मैच में निष्पक्ष अंपायर नियुक्त किए गए हैं। डीएनएम रुंगटा फोर्स की टीम ने बल्लेबाजी करते हुए बहुत अच्छी शुरूआत की और पहले ही ओवर में पारस अग्रवाल द्वारा ताबड़तोड़ चौके मारते हुए 21 रन बनाए इस तरह से इस मैच में डीएनएम रूंगटा ने 161 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और जिंदल सूर्या रॉक्स की टीम के सामने जीत के लिए 162 रन का लक्ष्य रखा। जिंदल सूर्या रॉक्स टीम की शुरूआत भी बहुत अच्छी हुई और पहले ओवर में 21 रन बनाए गए परंतु बीच में पारी लड़खड़ा गई और 19 में ओवर में अंतिम विकेट खोकर 122 रन पर पूरी पारी सिमट गई । इस तरह से इस प्रथम मैच में डीएनएम रुंगटा की टीम को विजयी घोषित किया गया। डीएनएम रुंगटा की टीम के हरि गर्ग ने चार रन देकर चार विकेट लिए उनको प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

सराय काले खां स्टेशन पर विद्युत आपूर्ति के लिए तैयार हुआ रिसीविंग सब-स्टेशन

सराय काले खां आरएसएस फेज-1 के तीनों कॉरिडोर का होगा पावर जंक्शन पॉइंट

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के सबसे बड़े और अत्यधिक आकर्षित सराय काले खां स्टेशन तक जल्द नमो भारत ट्रेनों का संचालन शुरू करने की दिशा में एनसीआरटीसी तेजी से जुटा है। इसी क्रम में विद्युत आपूर्ति के लिए सराय काले खां रिसीविंग सब-स्टेशन (आरएसएस) भी बनकर तैयार हो चुका है। वर्तमान में इस आरएसएस की टेस्टिंग की जा रही है। सराय काले खां आरएसएस फेज-1 के तीनों कॉरिडोर का पावर जंक्शन पॉइंट होगा, जहां से कॉरिडोर्स पर विद्युत की आपूर्ति होगी। सराय काले खां आरएसएस पर 66 केवी की आपूर्ति होगी, जिसके लिए एनसीआरटीसी द्वारा दिल्ली ट्रान्स्को लिमिटेड और गैस टर्बाइन पावर स्टेशन (जीटीपीएस) के साथ करार किया गया है। इस आरएसएस से ट्रेनों के संचालन के लिए 25 केवी और कॉरिडोर्स पर बने स्टेशनों के लिए 33 केवी विद्युत की आपूर्ति होगी। इस आरएसएस में 66/33 केवी के 2 और 66/25 केवी के 2 कुल 4 ट्रांसफॉर्मर लगाए गए हैं, जिनमें से तीन ट्रांसफॉर्मर कॉरिडोर्स के लिए चालू रहेंगे और एक ट्रांसफार्मर बैकअप के लिए उपलब्ध रहेगा। नमो भारत के भविष्य के कॉरिडोर्स के संचालन के लिए इस आरएसएस में 66/25 केवी के 02 अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर भी लगाए जाएंगे। यह आरएसएस सराय काले खां स्टेशन के नजदीक बनाया गया है। वर्तमान में सराय काले खां से मेरठ के बीच पहले नमो भारत कॉरिडोर का निर्माण कार्य जारी है, जो अंतिम चरण में है। इस कॉरिडोर पर ट्रेनों के संचालन के लिए सराय काले खां, गाजियाबाद, मुराद नगर, शताब्दी नगर और मोदीपुरम में कुल पाँच आरएसएस होंगे, जिनमें से सिर्फ मोदीपुरम आरएसएस का निर्माण कार्य जारी है जबकि अन्य चार बनकर तैयार हो चुके हैं। दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर की तर्ज पर ही बाकी कॉरिडोर्स पर भी स्थानीय आरएसएस बनाए जाएंगे। सभी कॉरिडोर्स पर बनाए जाने वाले आरएसएस से एक ऐसा सिस्टम तैयार होगा, जिससे कॉरिडोर्स पर नमो भारत ट्रेनों का निरंतर संचालन सुनिश्चित होगा। इतना ही नहीं आवश्यकता पड़ने पर सराय काले खां आरएसएस से अन्य कॉरिडोर्स के प्रारंभिक खंड को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति करने की क्षमता होगी, जिससे ट्रेनों का संचालन बिना किसी बाधा के किया जा सकेगा।

दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के तहत दिल्ली से मेरठ के बीच 25 स्टेशन बनाए जा रहे हैं। इस कॉरिडोर पर वर्तमान में न्यू अशोक नगर, दिल्ली से मेरठ साउथ तक 55 किमी के सेक्शन में नमो भारत ट्रेन सेवाएँ परिचालित हैं और न्यू अशोक नगर से सराय काले खां स्टेशन के बीच भी नमो भारत ट्रेनों का परिचालन जल्द शुरू होगा। सम्पूर्ण 82 किमी लंबे कॉरिडोर पर 2025 में ट्रेनों का परिचालन आरंभ करने का लक्ष्य है। एनसीआरटीसी अपने सभी आरएसएस को इंडियन ग्रीन बिल्डिंग कॉउन्सिल (आईजीबीसी) के उच्चतम मानकों के अनुसार तैयार कर रहा है, जिसमें रेन वाटर हार्वेस्टिंग, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, हरित क्षेत्र, एलईडी बल्ब, प्राकृतिक रौशनी, सोलर पॉवर पैनल और हवादार बिल्डिंग का निर्माण किया जा रहा है। एनसीआरटीसी, सौर ऊर्जा को अपनाते हुए स्वच्छ और हरित ऊर्जा उत्पन्न करने में योगदान दे रही है, जिससे सस्टेनेबल एनर्जी और परिचालन दक्षता को अनुकूलित करते हुए एनसीआरटीसी अपने कार्बन फुटप्रिंट्स को कम करने के व्यापक दृष्टिकोण के साथ प्रगति के पथ पर बढ़ रही है। 82 किमी लंबे सम्पूर्ण आरआरटीएस कॉरिडोर के संचालित होने पर इससे 11 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन करने का लक्ष्य है, जिससे सालाना 11,500 टन उड2 उत्सर्जन कम होने की उम्मीद है, जो जलवायु परिवर्तन के खिलाफ एक बड़ा कदम साबित होगा।

हिंडन नदी के संरक्षण के लिए हिंडन मंथन का सफल आयोजन

गाजियाबाद। हिंडन महोत्स 2025 के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम हिंडन मंथन में वैज्ञानिकों, शोधकताओं और सामाजिक संगठनों से जुड़े तमाम समाज सेवियों ने हिंडन नदी को बचाने के साझा संकल्प लिया। उत्थान समिति द्वारा आयोजित हिंडन मंथन, हिंडन महोत्सव 2025 के अंतर्गत कविनगर रामलीला मैदान स्थित जानकी भवन में आयोजित यह कार्यक्रम एक पैनल चर्चा के रूप में आयोजित किया गया, जिसमें देशभर से विख्यात पर्यावरणविद, वैज्ञानिक, सामाजिक कार्यकर्ता और नदी संरक्षण विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यक्रम में हिंडन नदी के पुनर्जीवन, प्रदूषण नियंत्रण और सतत विकास आधारित समाधानों पर गंभीर और ठोस विचार विमर्श किया। पर्यावरणविदों और वैज्ञानिकों ने हिंडन नदी को बचाने के लिए सामूहिक रुप से दृष्टिकोण और नीति सुझाव संबंधी एक श्वेत पत्र तैयार किया। इस श्वेत पत्र में हिंडन नदी की समस्याएं, कारण, समाधान, तकनीकी सुझाव और नीतिगत अनुशंसाएं विस्तार से शामिल की गई हैं। उत्थान समिति के चेयरमैन पर्यावरणविद् सत्येन्द्र सिंह ने कहा कि गाजियाबाद की यह महत्वपूर्ण नदी आज कराह रही है। हिण्डन को बचाने के लिए सभी संस्थाओं, सरकारी विभागों एवं जनता को मिलकर सामूहि प्रयास करने होंगे तभी हिण्डन नदी को बचाया जा सकता है।

अब जम्मू कश्मीर में भी करेंगे कश्यप जयंती का आयोजनः केशव प्रसाद मौर्य

गाजियाबाद में बोले यूपी के उपमुख्यमंत्री–2027 में फिर बनेगी भाजपा की सरकार, सपा बन चुकी है समाप्तवादी पार्टी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। घंटाघर रामलीला मैदान गाजियाबाद में शनिवार को महर्षि कश्यप जयंती के अवसर पर कश्यप निषाद संगठन और उत्तर प्रदेश के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप के नेतृत्व में महर्षि कश्यप महाकुंभ का आयोजन किया गया। इसमें उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य बतोर और मुख्य अतिथि पहुंचे। साथ ही कार्यक्रम में गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग, प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री व साहिबाबाद विधानसभा सीट से विधायक सुनील शर्मा, मोदीनगर विधायक मंजू शिवाच, शहर विधायक संजीव शर्मा, भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के साथ ही कई अन्य पदाधिकारी एवं गणमान्य अतिथि कार्यक्रम में शामिल हुए। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि कश्यप समाज आज देश भर में अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि कश्मीर नाम भी महर्षि कश्यप के नाम पर ही पड़ा है। उन्होंने कहा कि अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, तो कश्मीर से लेकर देश में कहीं पर भी तिरंगा लहराया जा सकता है। भगवा रंग फैलाया जा सकता है, तो क्यों ना अगली बार से कश्यप महर्षि जयंती का आयोजन कश्मीर में भी किया जाए, जिस पर आयोजक नरेंद्र कश्यप ने सहमति जाता दी है। वही नरेंद्र कश्यप ने आए अतिथियों का उत्तर प्रदेश के मुख्य उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और अन्य गणमान्य लोगों को प्रतीक चिन्ह व पुष्प भेंट कर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ सागर कश्यप और डॉ सौरभ जायसवाल द्वारा किया गया।

नरेंद्र कश्यप के आयोजन की उपमुख्यमंत्री ने की तारीफ

(जर्नी ऑफ सक्सैस)। नरेंद्र कश्यप द्वारा जिस तरीके से घंटाघर रामलीला मैदान में भव्य कश्यप निषाद संगठन के महर्षि कश्यप महाकुंभ का आयोजन किया गया ,उसकी तारीफ उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने की है। मौर्य ने कहा कि इतनी गर्मी में इतने लोगों को जुटाना कोई आसान बात नहीं है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र कश्यप द्वारा जो यह आयोजन किया जा रहा है, इसे अब केवल क्षेत्रीय या स्थानीय कार्यक्रम ना समझा जाए। इसमें कई प्रदेशों के लोग आ रहे हैं और यह बड़ा ही सुंदर और विशाल होता जा रहा है।

सुनील शर्मा, अतुल गर्ग, संजीव शर्मा ने की मंच से नरेंद्र कश्यप की प्रशंसा

घंटा घर रामलीला मैदान में नरेंद्र कश्यप द्वारा आयोजित कार्यक्रम सफल रहा, इसकी बात इसलिए स्पष्ट होती है क्योंकि कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार सुनील शर्मा ,गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग और शहर विधायक संजीव शर्मा से लेकर कार्यक्रम में बोल रहे अन्य गणमान्य अतिथियों ने नरेंद्र कश्यप द्वारा किए गए आयोजन की प्रशंसा की है। साथ ही कश्यप निषाद संगठन को भी इस पूरे आयोजन के लिए बधाई दी गई।

2027 में फिर बने भाजपा सरकार मंच से मांगा आशीर्वाद

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ने नरेंद्र कश्यप द्वारा आयोजित महर्षि महाकुंभ कार्यक्रम में उपस्थित के दौरान कहा कि 2025 में वह 2027 के लिए लोगों और जनता से आशीर्वाद मांग रहे हैं कि दोबारा से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को चुना जाए और उत्तर प्रदेश में फिर से डबल इंजन की सरकार हैट्रिक लगाए। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के शासनकाल से उत्तर प्रदेश में वर्तमान शासनकाल बेहद अच्छा है।

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा सपा अब समाप्तवादी पार्टी

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के शासन को गुंडाराज और अखिलेश द्वारा एक धर्म विशेष की चिंता करने को लेकर नाराज दिखे उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि सपा के राज में गुंडा, दंगा और अव्यवस्था वाला प्रदेश था। उन्होंने कहा कि वह अपने साथियों से कहते हैं कि सपा को अब समाप्त वादी पार्टी कहा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से बीते दिनों संसद भवन में अमित शाह ने अखिलेश यादव को जवाब दिया था वह बिल्कुल सटीक और सही था।

व्यापारी नेता भी रहे मौजूद

घंटाघर रामलीला मैदान में आयोजित महर्षि कश्यप जयंती के अवसर पर महाकुंभ में महर्षि कश्यप को इस सृष्टि का रचयिता से लेकर उनके जीवन के कई महत्वपूर्ण अध्याय को बताने का काम किया गया। तो वही एक लघु डॉक्यूमेंट्री भी प्रस्तुत की गई। साथ ही मंच पर मौजूद समर कूल के अध्यक्ष संजीव गुप्ता, सिविल डिफेंस के चीफ वॉर्डन और सामाजिक संस्थाओं से जुड़े रहने वाले ललित जायसवाल, उद्यमी और भाजपा नेता अतुल जैन अशोक अग्रवाल के अलावा भी कई गणमान्य जिसमें पंकज जैन दिल्ली 6 मॉल के चेयरपर्सन सहित प्रमुख शहर लोग के इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

नरेंद्र कश्यप ने सभी गणमान्य अतिथियों का किया धन्यवाद, कार्यक्रम रहा शानदार

कश्यप निषाद संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष व ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र कश्यप की अगुवाई में जो महर्षि कश्यप महाकुंभ का आयोजन किया गया, इसमें कई राज्यों से न सिर्फ महिला, पुरुष और बुजुर्ग पदाधिकारी पहुंचे थे बल्कि संगठन के भी लोग पहुंचे। कार्यक्रम के मंच पर गाजियाबाद के सांसद से लेकर विधायक और कश्यप निषाद संगठन के कई प्रदेशों के प्रभारी और वरिष्ठ कार्यकर्ता कार्यक्रम में उपस्थित थे। जिस तरीके से उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने नरेंद्र कश्यप के आयोजन की सराहना की है वह कम नहीं है। साथ ही नरेंद्र कश्यप ने भी आए हुए सभी गणमान्य अतिथियों और लोगों का मंच से धन्यवाद दिया और कहा कि आने वाले अन्य आयोजन भी इसी गर्म जोशी के साथ किए जाएंगे।

भाजपा अपनी सफल राजनीतिक यात्रा संबंधी प्रर्दशनी लगाएगीः मयंक गोयल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- आठ-नौ अप्रैल को प्रत्येक विधानसभा में सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन आयोजित किये जाएंगे
- भाजपा नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 11वर्षों में विकसित भारत की उपलिब्ध बताएंगे

गाजियाबाद। नेहरूनगर स्थित महानगर कार्यालय पर स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित प्रेस वार्ता में महानगराध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि पार्टी के 45वां स्थापना दिवस के अवस पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। मयंक गोयल ने बताया कि इस क्रम में जहां भाजपा अपनी सफल राजनीतिक यात्रा से संबधित प्रर्दशनी लगाई जाएगी, वहीं आठ-नौ अप्रैल को प्रत्येक विधानसभा में सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन आयोजित किये जाएंगे। इन सम्मेलन में भाजपा नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 11वर्षों में विकसित भारत की उपलिब्धयों को आम जनता से अवगत कराएंगे। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल एवं जिलाध्यक्ष चैनपाल सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि आज से भाजपा की अपना स्थापना दिवस मनाने की शुरूआत की गयी है। इसके लिए अनेक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। स्थापना दिवस पर आयोजित कराने के लिए महानगर स्तर पर एक समिति का गठन किया गया है।

उन्होंने बताया कि भाजपा की स्थापना 6 अप्रैल 1980 को हुई थी।भाजपा के स्थापना दिवस पर कार्यकताओं ने अपने घर पार्टी का ध्वजारोहण किया। इसके साथ ही महानगर संगठन की ओर से भाजपा की सफल राजनीतिक यात्रा से संबधित प्रर्दशनी का भी आयोजन किया जा रहा है। भाजपा महानगराध्यक्ष ने बताया कि सात अप्रैल को प्रत्येक बूथ पर पार्टी कार्यकर्ता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं.दीनदयाल उपाध्याय व भारत माता का चित्र लगाकर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। उन्होंने बताया कि आठ-नौ अप्रैल को विधानसभा क्षेत्रों में सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। जिसके विधानसभा वार स्थान भी तय कर जिम्मेदारी सौंप दी गई है।

विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित सम्मेलनों में भाजपा के चुनावी व संगठनात्मक विस्तार, भारतीय राजनीति में भाजपा द्वारा लाया गया परिवर्तन और प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 11वर्षों में विकसित भारत की यात्रा पर चर्चा होगी। बूथ पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में बूथ समिति के सदस्य और पन्ना प्रमुखों, प्राथमिक व सक्रिय सदस्य और वरिष्ठ कार्यकर्ता सम्मिलित होंगे। प्रेस वार्ता में महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, जिलाध्यक्ष चैन पाल सिंह, पूर्व विधायक कृष्ण वीर सिरोही, विधायक नन्द किशोर गुर्जर, पूर्व अध्यक्ष विजय मोहन, महामंत्री राजेश त्यागी, जितेंद्र चित्तौड़ा, राजेंद्र बाल्मीकि, कौमुदी चौधरी, महानगर कार्यक्रम संयोजक बॉबी त्यागी, अमित त्यागी, गुंजन शर्मा, महानगर मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी आदि थे।

रामनवमी पर प्राचीन हनुमान मंदिर असालतनगर में विशाल सुंदरकांड व भंडारे का आयोजन

मुरादनगर। रामनवमी के पावन अवसर पर मुरादनगर प्राचीन हनुमान मंदिर असालतनगर पर विशाल सुंदरकांड पाठ व भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों ने भाग लिया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष आयुष त्यागी काकड़ा ने हिन्दुत्व और हिन्दू समाज को लेकर एक महत्वपूर्ण बयान दिया उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि हम हिन्दू हैं और हिन्दू धर्म हमारी पहचान है रामनवमी का पर्व सिर्फ एक धार्मिक उत्सव नहीं है। बल्कि यह हमें हमारी संस्कृति,धर्म और परंपराओं से जोड़ता है हिन्दुत्व का मतलब सिर्फ धर्म का पालन करना नहीं है। बल्कि यह हमारी एकता, अखंडता और देश के प्रति हमारे समर्पण का प्रतीक है हिन्दू समाज हमेशा से ही एकजुट और शक्तिशाली रहा है, और हमे इसे और मजबूत बनाना है। आयुष त्यागी काकड़ा ने आगे कहा कि हमारे देश की संस्कृति और परंपराओं को सहेजने और उनका प्रचार-प्रसार करना हम सभी का कर्तव्य है।

भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर

कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कार्यकर्ताओं को वितरित किए भाजपा के झंडे

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। भाजपा के 44 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने अपने कार्यालय पर लाजपतनगर मंडल, भोपुरा मंडल, शालीमार गार्डन मंडल, नंदग्राम मंडल, अर्थला मंडल एवं मोहननगर मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं को भाजपा के झंडे वितरित किए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकताओं ने भाग लिया और संगठन की मजबूती के लिए संकल्प लिया।

झंडे को हर घर और कार्यालय पर फहराने का आहवान

कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी सिर्फ एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि विचारधारा, संस्कार और राष्ट्रसेवा का प्रतीक है। उन्होंने कार्यकताओं से आग्रह किया कि 6 अप्रैल को सभी अपने घरों, कार्यालयों और प्रतिष्ठानों पर भाजपा का झंडा लगाएं और विशेष साज-सज्जा करें, जिससे पूरे क्षेत्र में पार्टी के प्रति उत्साह और गर्व का वातावरण बने।

भाजपाः विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी

कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नीति-निर्देशों के चलते भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकताओं की मेहनत और समर्पण ही इस संगठन की ताकत है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ स्थापना दिवस का उत्सव नहीं, बल्कि पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लेने का दिन है।

इस अवसर पर सभी पांच मंडलों के भाजपा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यकर्ताओं ने पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण को दोहराते हुए संकल्प लिया कि वे प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में पार्टी को और अधिक सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

रामनवमी पर कन्या पूजन एवं भंडारे के साथ नवरात्रि महोत्सव सम्पन्न

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। प्राचीन सिद्ध पीठ श्रीबाला त्रिपुर सुन्दरी देवी मंदिर दिल्ली गेट में 9 दिवसीय चल रहें हवन एवं श्री शत चंडी महायज्ञ में सैकड़ों भक्तों ने पंडितों द्वारा मन्त्रोउच्चारण के साथ हवन में आहुतियां देकर महंत गिरीशानंद गिरि महाराज ने पुर्णावति की गई। देवी मंदिर के महंत गिरीशानंद गिरि महाराज ने बताया कि 6 मार्च से 6 अप्रेल तक सभी मंदिरों में पूजा- अर्चना की गई। प्राचीन सिद्ध पीठ श्रीदुधेश्वरनाथ मंदिर में भी कन्या पूजन एवं विशेष पूजा अर्चना एवं हवन का आयोजन किया गया। जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने आहुति दी एवं भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया।जिसमें भव्य पंखा शोभायात्रा निकाली गई जिसमें शहर के विभिन्न हिस्सों से डासना गेट रमतेराम रोड, गंज राइट, गंज जीटी रोड, कीर्तन वाली गली, बजरिया, घंटाघर, चौपला मंदिर से नवयुग मार्केट होती हुए पुनः देवी मंदिर पहुंची। जहां पर भक्तों ने भव्य स्वागत एवं आरती पूजन किया। इसमें घोड़े रथ बैंड बाजे तासे आदि सैकड़ों भक्तों एवं श्रद्धालुओं कि मौजूदगी में पंखा शोभायात्रा धुमधाम से निकाली गई। रामनवमीं पर विशेष पूजा अर्चना के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ मंदिर को फूलों से सजाया गया देवी मां भव्य चित्र के साथ भक्तों ने पुजा अर्चना की गई। भक्तों ने हलुआ-पूड़ी के का प्रसाद ग्रहण किया गया। नवरात्रि के अवसर पर देवी मंदिर से 5 अप्रैल शनिवार दोपहर 3 बजे से भव्य पंखा शोभा यात्रा भी निकाली गयी। जो शहर विभिन्न मार्ग से होते हुए निकाली जो देवी मंदिर से दिल्ली गेट पहुंची तथा मंदिर का प्रसाद ग्रहण किया। जो श्री दूधेश्वर मंदिर के पीठाधीश्वर श्रीमहंत नारायण गिरी महाराज के आशीर्वाद से नवरात्रि महोत्सव धूमधाम सम्पन्न हुआ। ने नवरात्रि पर माता रानी आशीर्वाद प्राप्त किया। मीडिया प्रभारी एस आर सुथार ने बताया पिछले कई वर्षों से लगातार रामनवमी वाले दिन कन्या पूजन कर एक विशाल भंडारे का आयोजन जाता है।

भाजपाइयों ने धूमधाम से मनाया भाजपा का 45वां स्थापना दिवस

डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी, भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर भाजपा का झंडारोहण कर बांटी गई मिठाई

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- भाजपाइयो ने कार्यालय पर ध्वजारोहण कर मनाया 45 वां स्थापना दिवस, बांटी मिठाई

गाजियाबाद। भाजपा के नेताओं व कार्यकताओं ने रविवार को यहां नेहरुनगर स्थित भाजपा कार्यालय पर अपना 45वां स्थापना दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया। इस मौके पर कई कार्यक्रमों का आयोज किया गया। भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने रविवार को सुबह 9 बजे भाजपा कार्यालय पहुंचे। भाजपा का 45वां स्थापना दिवस होने के चलते कार्यालय को पूरी तरह से सजाया संवारा गया था। पार्टी कार्यालय पर सभी जनप्रतिनिधि वरिष्ठ भाजपा नेता एवं भाजपाइयों ने सबसे पहले पहुंचकर डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी, भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर भाजपा का झंडारोहण किया और मिठाई बांटकर एक दूसरे को हुए स्थापना दिवस की बधाई दी।

मयंक गोयल ने बताया कि पार्टी द्वारा स्थापना दिवस पर आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों को लेकर महानगर समिति का गठन भी किया गया है। उन्होंने प्रत्येक कार्यकर्ता से समर्पित भाव से पार्टी का झंडा अपनी छत या बालकनी में लगाए और आत्मीय मुस्कान के साथ उसकी सेल्फी लेकर उसे अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट करने का अनुरोध किया। जिलाध्यक्ष चैन सिंह ने भी जिले में होने वाले सभी आयामों की जानकारी मीडियाकर्मियों को दी।

इस अवसर पर कार्यालय पर स्वतंत्र प्रभार मंत्री नरेन्द्र कश्यप, महापौर सुनीता दयाल, पूर्व महापौर आशु वर्मा, पूर्व मेयर आशा शर्मा, बलदेव राज शर्मा, अशोक गोयल, जगदीश साधना, सरदार एसपी सिंह, सुभाष शर्मा, ब्लॉक प्रमुख राहुल चौधरी, महामंत्री राजेश त्यागी, गोपाल अग्रवाल, रानिता सिंह, बॉबी त्यागी, गुंजन शर्मा, प्रदीप चौधरी, अमित त्यागी, उदिता त्यागी, मीना भंडारी, ऋचा भदौरिया, संगठन पदाधिकारी व सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। भाजपा कार्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व के निर्देश पर दोपहर 12 बजे पार्टी का झंडा रोहण किया। ध्वजा रोहण के दौरान महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, जिलाध्यक्ष चैन सिंह, पूर्व विधायक कृष्ण वीर सिरोही, लोनी विधायक नन्द किशोर गुर्जर, पूर्व महानगर अध्यक्ष विजय मोहन, जितेंद्र चित्तौड़ा, राजेंद्र बाल्मीकि, कौमुदी चौधरी, सुधीर पगड़ी आदि मौजूद रहे।

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

सम्पादकीय

भारत-थाईलैंड साझेदारी

भारत और थाईलैंड ने आपसी रिश्तों को आगे बढ़ाते हुए इसे रणनीतिक साझेदारी तक ले जाने पर सहमति जता कर पूरी दुनिया को बड़ा संदेश दिया है। हिंद प्रशांत क्षेत्र में समावेशी और नियम आधारित व्यवस्था के लिए यह दूरगामी पहल है। दक्षिण-पूर्व एशिया के सात देशों के संगठन (बिम्सटेक) के सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने थाईलैंड के साथ संबंधों को एक नए सफर पर ले जाने की बात करते हुए दरअसल, भारत के हिंद प्रशांत दृष्टिकोण को सामने रखा है। इसी के साथ दोनों देशों के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं। इससे द्विपक्षीय सहयोग के नए दरवाजे खुलने की उम्मीद है। मगर इन सबमें सबसे महत्त्वपूर्ण सामरिक समझौता है। भारत और थाईलैंड के बीच आर्थिक तथा सांस्कृतिक समझौता वर्षों से है। दोनों देशों के बीच इस समय व्यापार सार्वकालिक स्तर पर है। यही वजह है कि दोनों ही व्यापारिक गतिविधियां और परस्पर निवेश बढ़ाने पर भी सहमत हुए हैं। आसियान क्षेत्र में सिंगापुर, मलेशिया, वियतनाम और इंडोनेशिया के बाद थाईलैंड भारत का पांचवां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। अब अगर दोनों देश रणनीतिक साझेदारी का नया अध्याय लिखने जा रहे हैं, तो इसके पीछे मजबूत रक्षा संबंधों की पृष्ठभूमि भी है। बिम्सटेक सम्मेलन में भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह विस्तारवाद में नहीं, विकास में विश्वास रखता है। यह एक तरह से दुनिया की बड़ी ताकतों को संदेश है कि सभी देशों को एक दूसरे का सहयोग करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। थाईलैंड के साथ सामरिक साझेदारी बढ़ाने की पहल उसकी रणनीति का हिस्सा है। यह साझेदारी परस्पर सहयोग को नया धरातल देगी। भारत के लिए बिम्सटेक महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह संगठन हिंद महासागर में चीन के बढ़ते प्रभाव से लड़ने और उसे रोकने में मदद करता है। इस लिहाज से थाईलैंड से सामरिक संबंध भारत के लिए जरूरी है। बिम्स्टेक से जुड़े नेपाल, भूटान, म्यांमा, बांग्लादेश, श्रीलंका, थाईलैंड और भारत व्यापारिक रिश्ते बढ़ाते हुए अगर मुक्त व्यापार समझौता भी कर लें, तो दक्षिण-पूर्व क्षेत्र प्रगति के नए पथ पर चल सकता है। तब दुनिया की इक्कीस फीसद आबादी का नेतृत्व करने वाले देशों की उपेक्षा दुनिया नहीं कर पाएगी।

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की इस पहल का करना चाहिए स्वागत

भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के उपायों में पारदर्शिता को एक सबसे अहम कड़ी माना जाता रहा है। यही वजह है कि सांस्थानिक स्तर पर उच्च पदों पर नियुक्त लोगों की संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने को लेकर अक्सर आवाज उठती रही है। इस क्रम में न्यायाधीशों से भी उनकी संपत्ति का खुलासा करने की अपेक्षा की जाती है। मगर इस मसले पर उठे सवालों के बावजूद कोई ऐसी व्यवस्था नहीं बन पाई जिसमें न्यायाधीशों के लिए अपनी जायदाद की जानकारी को सार्वजनिक करना अनिवार्य हो। यों अलग-अलग अदालतों के कुछ जज अपनी संपत्ति की घोषणा करते रहे हैं, लेकिन ऐसी पहलकदमी का महत्त्व सीमित ही रहा। अब इस मसले पर देश के सर्वोच्च न्यायालय की ओर से एक अहम पहल की गई है। इसके तहत यह फैसला लिया गया है कि शीर्ष अदालत के प्रधान न्यायाधीश और अन्य सभी जज अपनी संपत्ति की जानकारी सार्वजनिक करेंगे। हालांकि यह स्वैच्छिक आधार पर किया जाएगा। यानी न्यायाधीशों ने किसी कानूनी बाध्यता की वजह से नहीं, बल्कि स्वेच्छा से अपनी संपत्ति का विवरण सार्वजनिक करने का फैसला किया है। निश्चित रूप से सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की इस पहल ने न्यायपालिका में पारदर्शिता को लेकर देश भर में वैसे तमाम लोगों का ध्यान खींचा है, जो भ्रष्टाचार को व्यवस्था की एक सबसे बड़ी समस्या मानते हैं और उसके हल के उपायों में पारदर्शिता की अहमियत को प्राथमिक बताते हैं। अन्य सभी क्षेत्रों में भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए अगर कोई नीति बनाई जाती है, नियम लागू किए जाते हैं, तो उसे लागू होने में व्यवस्थागत स्तर पर हुई लापरवाही या उदासीनता के खिलाफ कई बार अदालतों का रुख भी करना पड़ सकता है। जाहिर है, भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए अगर किसी अदालत में एक नियम को जरूरी बताया जाता है, तो उस कसौटी पर न्यायाधीश को रखने की भी उम्मीद की जाएगी। इस लिहाज से देखें तो सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति के ब्योरे को सार्वजनिक पटल पर रखने का फैसला किया है, तो इसका दूरगामी महत्त्व है। यह फैसला खासतौर पर इसलिए भी अहम माना जा रहा है कि हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय के एक जज के घर में करोड़ों की नकदी मिलने की खबर आई थी और उसके बाद जजों की आय और संपत्ति को लेकर कई तरह के सवाल उठे हैं। दरअसल, सूचना का अधिकार कानून लागू होने और कुछ न्यायाधीशों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगने के बाद इस मुद्दे पर बहस तेज हो गई थी कि जजों की संपत्ति को लेकर भी पारदर्शिता क्यों नहीं सुनिश्चित की जानी चाहिए। इसी क्रम में वर्ष 2009 में सर्वोच्च न्यायालय और सभी उच्च न्यायालय के जजों ने नियमित रूप से अपनी संपत्ति की जानकारी सार्वजनिक करने का संकल्प लिया था, लेकिन उसका कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया। इस संबंध में एक संसदीय समिति भी अपनी एक रपट में यह कह चुकी है कि जजों की संपत्ति की घोषणा को अनिवार्य बनाने के लिए एक कानून लाया जाना चाहिए। दरअसल, जब तक जजों की ओर से नियमित रूप से अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने की प्रक्रिया को संस्थागत रूप नहीं दिया जाएगा, तब तक इस संबंध में सिर्फ निजी स्तर पर की गई पहल या संकल्प के बूते इसमें निरंतरता बनाए रखना मुश्किल साबित होगा। जबकि अगर न्यायाधीशों की संपत्ति को लेकर एक पारदर्शी व्यवस्था बनाई जाती है, तो इससे समूची व्यवस्था में जनता का भरोसा बढ़ेगा और न्यायपालिका की विश्वसनीयता में इजाफा होगा।

भ्रष्टाचार पर लगाम और पारदर्शिता की नई पहल

भारत में वक्फ संपत्तियों से जुड़े विवाद और भ्रष्टाचार के आरोप लंबे समय से चर्चा का विषय रहे हैं। देश में लाखों एकड़ भूमि वक्फ बोर्ड के अंतर्गत आती है, जिसका उद्देश्य धार्मिक और सामाजिक कल्याण कार्यों के लिए संपत्तियों का उपयोग करना है। हालांकि, समय के साथ यह देखा गया कि वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन पूरी तरह पारदर्शी नहीं रहा, और कई मामलों में अनियमितताओं, भ्रष्टाचार और मनमानी के आरोप सामने आए हैं। लोकसभा में हाल ही में पारित वक्फ संशोधन बिल 2024 से उम्मीद की जा रही है कि यह बिल वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता बढ़ाएगा और आम नागरिकों, खासकर उन किरायेदारों को राहत प्रदान करेगा, जो वर्षों से इन संपत्तियों में रह रहे हैं या उनसे जुड़े कानूनी विवादों का सामना कर रहे हैं।

वक्फ संपत्तियों से जुड़े विवाद और समस्याएँ

भारत में वक्फ अधिनियम 1995 के तहत वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन किया जाता है। इस कानून के तहत बनाई गई वक्फ बोर्डों को अत्यधिक शक्तियाँ प्रदान की गईं, जिससे वे अपने अधीन संपत्तियों का नियंत्रण कर सकें। हालाँकि, इस प्रबंधन में पारदर्शिता की कमी और मनमानी फैसलों के चलते कई विवाद उत्पन्न हुए। वक्फ बोर्ड के पास मौजूद कानूनी अधिकारों के कारण कई स्थानों पर उनकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, कई मामलों में वक्फ बोर्ड अधिकारियों

द्वारा संपत्तियों को मनमाने ढंग से लीज पर देना, कब्जे खाली करवाना, और बिना उचित प्रक्रिया के संपत्ति बेचने जैसे फैसले लिए गए हैं। हजारों किरायेदार दशकों से वक्फ संपत्तियों में रह रहे हैं। लेकिन कई बार वक्फ बोर्डों ने पुराने किरायेदारों को कानूनी सुरक्षा प्रदान नहीं की, बल्कि उन्हें संपत्तियों से बाहर निकालने की कोशिश की।

ऐसे मामलों में कई परिवारों को कानूनी लड़ाइयों में उलझना पड़ा, और कुछ मामलों में जबरन बेदखली भी देखी गई। वक्फ संपत्तियों की खरीद, बिक्री, और लीज में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की शिकायतें आई हैं। कई रिपोर्टें बताती हैं कि वक्फ संपत्तियों को बाजार मूल्य से बहुत कम कीमतों पर बेचा गया या फिर बिना उचित प्रक्रिया के इसे राजनीतिक और व्यावसायिक हितधारकों को सौंप दिया गया। वर्तमान वक्फ कानून में कई अस्पष्टताएँ थीं, जिससे कानूनी विवाद बढ़ते गए। वक्फ संपत्तियों से जुड़े मामलों को सुलझाने के लिए कोई स्पष्ट कानूनी प्रक्रिया नहीं थी, जिससे विवाद लंबित रह जाते थे और पीड़ित पक्ष को न्याय पाने में वर्षों लग जाते थे।

वक्फ संशोधन बिल 2024: क्या हैं प्रमुख बदलाव?

लोकसभा में पारित वक्फ संशोधन बिल 2024 का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को पारदर्शी और जवाबदेह बनाना है। इस बिल में यह प्रावधान किया गया है कि वक्फ बोर्ड की कार्यप्रणाली की निगरानी और सरकारी हस्तक्षेप को बढ़ाया जाएगा, ताकि संपत्तियों के दुरुपयोग को रोका जा सके। संशोधन के तहत पुराने किरायेदारों को अधिक कानूनी सुरक्षा दी जाएगी, जिससे उन्हें जबरन निष्कासन का सामना न करना पड़े। वक्फ संपत्तियों की लीज, बिक्री, या हस्तांतरण में पारदर्शिता लाने के लिए नई निगरानी एजेंसियाँ बनाई जाएँगी। इसके अलावा, सभी सौदों की डिजिटल रिकॉर्डिंग और पारदर्शी ऑडिटिंग की व्यवस्था की जाएगी। वक्फ संपत्तियों से जुड़े कानूनी विवादों के निपटारे के लिए विशेष न्यायाधिकरण बनाए जाने का प्रस्ताव है। इससे मामलों का त्वरित समाधान हो सकेगा और आम नागरिकों को लंबे समय तक अदालतों में भटकना नहीं पड़ेगा।

संशोधन बिल के संभावित प्रभाव

वक्फ संशोधन बिल 2024 के लागू होने से भारत में वक्फ संपत्तियों से जुड़े विवादों को सुलझाने और पारदर्शिता बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह संशोधन सुनिश्चित करेगा कि वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में किसी भी प्रकार की धांधली न हो और सभी लेन-देन को सार्वजनिक किया जाए। नए कानून के तहत पुराने किरायेदारों को सुरक्षा मिलेगी और उनके निष्कासन की प्रक्रिया को कानूनी दायरे में लाया जाएगा। नए निगरानी और ऑडिट तंत्र से वक्फ संपत्तियों से जुड़े घोटालों को रोका जा सकेगा। न्यायाधिकरणों के माध्यम से वक्फ संपत्तियों से जुड़े विवादों का त्वरित समाधान किया जा सकेगा।

संभावित चुनौतियाँ

हालाँकि, इस बिल के प्रभावी कार्यान्वयन में कुछ चुनौतियाँ भी हो सकती हैं; कुछ वक्फ बोर्ड इस संशोधन का विरोध कर सकते हैं, क्योंकि इससे उनकी शक्ति और स्वायत्तता पर प्रभाव पड़ सकता है। निगरानी और ऑडिटिंग तंत्र को प्रभावी रूप से लागू करने में समय लग सकता है। संभावना है कि कुछ समूह इस संशोधन को अदालत में चुनौती दे सकते हैं, जिससे इसके क्रियान्वयन में देरी हो सकती है। वक्फ संशोधन बिल 2024 भारत में वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को पारदर्शी और न्यायसंगत बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यदि इस कानून को प्रभावी रूप से लागू किया गया, तो यह न केवल वक्फ संपत्तियों के सही उपयोग को सुनिश्चित करेगा, बल्कि भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगाएगा।

हालांकि, यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इस कानून को व्यवहारिक रूप से कैसे लागू किया जाता है और सरकार इस पर किस तरह की निगरानी रखती है। यदि सभी प्रावधान सही तरीके से अमल में लाए जाते हैं, तो यह बिल वक्फ संपत्तियों के प्रशासन को एक नई दिशा देने में सक्षम होगा।

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ, वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते, तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक, एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके, ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा, बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, शृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया, और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते, यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात देखा गाया, भगवान-राम का दिव्य जीवन)

भाग 13

गतांक से आगे .....

तो सायकाल का समय था, रात्रि के काल में न्योदा में से कुछ मन्त्रों पर उच्चारण कराते हुए माता अरून्धती अपने कक्ष में और वशिष्ठ मुनि महाराज अपने कक्ष में विद्यमान हो गये। परन्तु अगला जो दिवस प्रातःकाल का आया, अपनी क्रियाओं से ब्रह्मचारी निवृत्त हो करके विद्यमान हो गये, माता अरुन्धती और वशिष्ठ और महर्षि विश्वामित्र विद्यालय में विद्यमान हैं। माता अरुन्धती ने ब्रह्मचारियों की पंक्ति लगाई। वह याग करने के लिए तत्पर हुए, परन्तु उन्होंने सन्धि के काल में जैसे प्रातःकाल और रात्रि की दोनों की सन्धि होती है। ऐसे ही ब्रह्मचारियों ने अपने कक्ष में वह सन्धि और सन्ध्या-उपासना करने के पश्चात् अग्नि के समीप जा करके अग्निहोत्र करने लगे। एक ब्रह्मचारी यजमान बन गया, अन्य होता, उद्गाता और अध्वर्यु बन गये, याग प्रारम्भ होने लगा। महर्षि विश्वामित्र भी उस पंक्ति में विद्यमान हैं। विचार चल रहा है, याग के पश्चात् ब्रह्मचारियों का कुछ विचार-विनियम होता है।

हमारे यहाँ एक परम्परा मानी गयी है कि जब अग्नि का चयन करता है ब्रह्मचारी तो प्रातः कालीन अग्नि का चयन करके आचार्य से कुछ प्रश्न करता है और प्रश्नों का उत्तर आचार्यजन देते हैं। जैसे माता अपने पुत्र को लोरियों का पान कराती हुई उसके श्रोत्रों में कुछ न कुछ उच्चारण करती रहती है, अपने उद्गार देती रहती है, जिससे बालक का अन्तःकरण पवित्र बनता रहता है, माता के उन उद्गारों से बाल्य की प्रतिभा का जन्म होता है। परन्तु वही विद्यालय में क्रियात्मकता में परिणित हो जाता है।

तो विचार क्या? वहाँ राम, लक्ष्मण, गार्हपथ्य, सुकेता, श्वेतकेतु, ब्रह्मचारी कबन्धी इत्यादि शिक्षा-अध्ययन कर रहे थे। ब्रह्मचारी कवन्धी, भगवान् राम, लक्ष्मण और भरत इन चारों ब्रह्मचारियों ने उपस्थित हो करके कहा कि 'भगवन्! यह वाजपेयी याग किसे कहते हैं? क्योंकि जहाँ नाना प्रकार के यागों का वर्णन आता है, वहाँ वैदिक-साहित्य में वाजपेयी याग का भी वर्णन आता है। तो भगवान-राम के इन शब्दों को पान करने वाले ऋषिवर वशिष्ठ ने कहा, ''हे राम! तुम वाजपेयी याग को

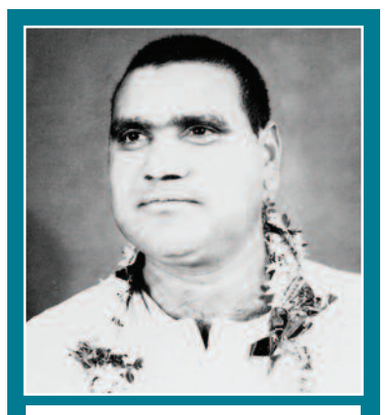

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

क्यों जानना चाहते हो?'' उन्होंने कहा, ''प्रभु! हम इससे पूर्व जब यह रात्रि समाप्त हुई, तो न्योदा में से कुछ मंत्रों का अध्ययन कर रहे थे और वह मन्त्र कह रहे थे, कि राजा और ब्रह्मचारियों को वाजपेयी याग करना चाहिये। तो भगवन्! यह वाजपेयी याग क्या है?'' तो महर्षि वशिष्ठ ने कहा कि ह्याह्ययाग तो हम कहते हैं अग्निहोत्र को, याग कहते हैं शुभकर्म को; परन्तु रहा वाजपेयी याग, प्रजा के सुखार्थ, उनके सुख के लिए, सुखद अनुभव करने के लिए सुखी और आनन्दवत बनाने के लिए हम याग करते रहते हैं। इसीलिए वाजपेयी याग का अभिप्रायः जिससे वाणी पवित्र हो जाये, उसको हमारे यहाँ वाजपेयी याग कहते हैं, इससे हमारे समय का उपयोग हो जाये और उसमें हम याग करते हुए अग्नि का चयन करते रहें और अपनी वाणी को पवित्र बनाते रहें। क्योंकि वाणी को पवित्र बनाना राष्ट्र और समाज के लिए बड़ा महान्-महत्व का कार्य माना गया है।''

वाजपेयी याग

मेरी प्यारी माता को प्रायः वाजपेयी याग करना चाहिये। जब वह अपने बालक को लोरियों का पान कराती है तब भी, अपने बालक को सत्यवादी ब्रह्मचारी माता को बनाना है। यदि माता सत्यवादी पुत्र को नहीं बना सकती, तो यह माता के पद की सूक्ष्मता होगी, यह उसकी धृष्टता का द्योतक है। महर्षि वशिष्ठ ने कहा, ''राम! मेरे विचार में तो एक पक्ष वाजपेयी याग का यह है, द्वितीय जो वाजपेयी याग का पक्ष है, वह कहता है कि जब हम याग करते हैं तो याग को हिरण्याक्ष ले जाता है और हिरण्याक्ष उस याग को मेंघ मंडल को परिणित करा देता है, या वृत्रासुर को उच्चारण कर दीजिये, वह वृत्रासुर में चला जाता है और वृत्रासुर उस याग की धीमी-धीमी वृष्टि कर सोम की वृष्टि कर देता है और वह जो सोम की वृष्टि है। उसके पश्चात वहाँ गऊ के बछड़े और बैल की बलि का वर्णन आता है। यह वर्णन शैली हमारे यहाँ परम्परागतों से चलती आयी है, परन्तु जहाँ बलि का वर्णन है वहाँ बलि के बहुत से अभिप्रायः माने गये हैं। मैंने तुम्हें बहुत पुरातनकाल में बलि के नाना रूप, नाना गुरुत्त्व प्रगट किये थे। परन्तु बलि का अभिप्रायः यही है कि जो सोम की वृष्टि हुई है, उस सोम का हम परिश्रम से अपने पुरुषार्थ से सदुपयोग करें और जब उस सोम का सदुपयोग हो जायेगा, तो यही बलि का वर्णन है। बलि का अभिप्रायः केवल इतना है कि पुरुषार्थ करना है, पुरुषार्थ का नामकरण बलि कहा जाता है। क्रमशः.....

पुण्य स्मरण-

कमलकिशोर गोयनका: जैसा मैंने देखा

गिरीश पंकज

डॉ. कमलकिशोर गोयनका जी पर कुछ लिखने का अवसर जब भी आया, मैंने लिखा, क्योंकि जैसे लोग सदियों में पैदा होते हैं। लेकिन आज उनके बारे में भारी मन से लिखना पड़ रहा है। अब वह हमारे बीच नहीं रहे। 1 अप्रैल, को उनका निधन हो गया। कुछ समय से वह बीमार चल रहे थे। न जाने कितने लोग होंगे जो एक बात तो यही कहते होंगे कि मुझे गोयनका जी का बड़ा स्नेह मिला। इस पंक्ति में मैं भी शुमार हूँ। उनकी राष्ट्रवादी विचारधारा से खार खाए लोग भी थे। कुछ लोग उनकी राष्ट्रवादी भावना को अन्यथा लेते हैं लेकिन मुझे यह अच्छा लगता है कि देश विरोधी वातावरण के बीच कुछ लोग तो हैं जो ईमानदारी के साथ देश प्रेम के लिए समर्पित है और लिख भी रहे हैं।

एक सांसारिक साधक-तपस्वी कैसा हो सकता है, वह देखना हो तो गोयनका जी को देखा जा सकता था। उनसे मिला जा सकता था। मुंह देखी करने की आदत नहीं रही और यह कलम किसी के लिए भी नहीं चलती। बड़े-बड़े राजनेता और माफिया किस्म के महान साहित्यकार तरस गए, उन पर एक लाइन नहीं लिखी, लेकिन जब गोयनका जी जैसी विभूति पर कुछ लिखना हो तो अपनी कलम अपने आप दौड़ने लगती है।

गोयनका जी को बचपन से ही पढ़ता आया हूँ। वे सत्यान्वेषी रहे। खोजी प्रवृत्ति के। साहित्य के भी अनेक छिपे रहस्य इन्होने ही खोजे। अनेक झूठे चेहरों से नकाब भी हटाए। सत्य को सामने रखने का नैतिक साहस अगर देखना हो तो गोयनका जी के यहाँ देखा जा सकता है। कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद के बारे में कहा जाता रहा कि वह गरीबी या बदहाली में रहे। उस भ्रम को गोयनका जी ने प्रमाण सहित तोड़ा और प्रेमचंद जी का वो बैंक खाता सबके सामने रखा जिसमे उनकी मृत्यु के कुछ समय पहले एक बड़ी रकम जमा थी।

अनेक प्रमाणों के साथ गोयनका जी ने सिद्ध किया कि प्रेमचंद को गरीब कहना, उनके फटे जूते दिखाना आदि गलत है। प्रेमचंद हमारे समय के सबसे बड़े लेखक है। इससे कौन इंकार करता है, मगर उनका दयनीय रूप पेश करना कहाँ का इन्साफ है? और भी अनेक महत्वपूर्ण बाते हैं, जिससे प्रेमचंद जी के जीवन के कुछ पहलू सामने आते है। और इसका पूरा श्रेय जाता है गोयनका जी। उन सबका यहाँ जिक्र करना लेख को अनावश्यक विस्तार देना होगा। संक्षेप में यही कहना चाहता हूँ कि गोयनका जी ने कथा सम्राट प्रेमचंद का एक वो मानवीय रूप सामने रखा जो किसी भी मनुष्य को होता है या हो सकता है।

डॉ. गोयनका जी को जानता तो शुरू से ही हूँ। एक पाठक के नाते उनके लेखन से परिचित था ही, मगर पिछले एक दशक से उनसे व्यक्तिगत परिचय भी हुआ। यह मेरे जीवन का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। उनसे परिचय हुआ और उनके साथ ही बड़े नाटककार दयाशंकर सिन्हा से भी परिचय हुआ। वे भी मेरे छोटे-मोटे कामो से परिचित थे। खास कर 'सद्भावना दर्पण' के प्रकाशन से। और मेरी राष्ट्रवादी सोच से भी। यही कारण है कि जब मेरा उपन्यास "एक गाय की आत्मकथा" के द्वितीय संस्करण का दिल्ली में लोकार्पण हुआ तो गोयनका जी उस कार्यक्रम में न केवल शरीक हुए वरन मेरे उपन्यास पर एक विस्तृत समीक्षात्मक आलेख भी लिख कर लाए। उनकी समीक्षा मेरे लिए यादगार घटना बनी क्योंकि उसे लिखने वाला एक शीर्षस्थ लेखक था, जो किसी भी कृति पर ऐसे ही कलम नहीं चलाता। उन्हें लगा की मैंने भारतीय गायों की दुर्दशा पर लिखने का एक प्रयास किया है। और इस वक्त गाय के सवाल को उठता है? खास कर हिन्दी के उत्तरआधुनिक किस्म के लेखक। मेरा उपन्यास जैसा भी हो, लेकिन मैंने साहित्य में गौ विमर्श तो शुरू किया। गोयनका जी ने मेरे इस प्रयास पर मनोयोग से लिखा और मेरी भावनाओ को स्वर देते हुए कहा कि इस देश में गौ हत्या पर प्रतिबन्ध लगना ही चाहिए।

गोयनका जी को पता है कि मेरी पत्रिका भारतीय एवं विश्व साहित्य के अनुवाद को प्राथमिकता देती है। और देश-विदेश में लिखे जा रहे साहित्य को प्रमुखता से प्रकाशित करती है इसीलिये उन्होंने फोन करके कहा कि सद्भावना दर्पण को मॉरीशस के लेखक अभिमन्यु अनत पर एक विशेषांक प्रकाशित करना चाहिए वे पचहत्तर वर्ष के हो रहे हैं गोयनका जी की बात सुन कर मेरी तो खुशी का ठिकाना न रहा।

अभिमन्यु अनत से मैं मॉरीशस प्रवास के दौरान मिल चुका था। और बचपन से ही उनकी कहानिया एवं उपन्यास पढ़ने का अवसर मिलता रहा है। मुझे खुशी हुई कि अनत जी की हीरक जयन्ती पर विशेषांक निकालने के लिए उन्होंने मुझे याद किया। गोयनका जी ने मुझे अनत जी की

कमलकिशोर गोयनका

रचनाएँ और उनके अनेक छाया चित्र मुझे भेज दिए। उनके सहयोग से मेरी पत्रिका का अभिमन्यु अनत विशेषांक निकल गया। उसकी कुछ प्रतिया मैंने मॉरीशस भी भिजवा दी। विशेषांक का जब काम चल रहा था, तभी मैंने एक दिन गोयनका जी से बातचीत के दौरान कहा कि आप भी तो पचहत्तर के हो चुके हैं या होने वाले होंगे। यह बात है सन 2018 की। मेरी बात सुन कर उन्होंने ठहाका लगाया और कहा- "आपने भी खूब पकड़ा। अभी दो महीने बाद 11 अक्टूबर को मैं भी पचहत्तर वर्ष का होने जा रहा हूँ।"

उनकी बात सुन कर मैंने कहा- "तो फिर एक विशेषांक आप पर भी केंद्रित होगा।"

मेरी बात सुन कर वे संकोच में पड़ गए। मना करने लगे लेकिन मैं जिद पर अड़ गया। आखिर वे झुके और मैंने 'सद्भावना दर्पण' का एक विशेष अंक उन पर केंद्रित किया। और यह भला कैसे न होता कि दुनिया भर के लोगो पर कलम चलने वाले मनीषी पर कोई बात न हो।

साहित्य की दुनिया में अनेक शातिर लोग छाए हुए है। तोड़मरोड़ कर लिखने की कला में पारंगत आलोचक उनके पास है। साहित्य में गिराने और उठाने की कला में माहिर कुछ जमूरे भी शातिर माफियाओ के पास है। उनसे लड़ते हुए गोयनका जी ने न जाने कितने खतरे उठाए हैं। इसलिए उन पर किसी पत्रिका का विशेषांक निकले, उन पर कोई ग्रन्थ प्रकाशित हो, इससे बढ़ कर कोई सुन्दर बात हो नहीं सकती।

अन्याय-अत्याचार के विरुद्ध हरदम खड़े रहने वाले गोयनका जी आपातकाल के दौरान जेल में भी गए। उनके रचनात्मक तेवरों के कारण उन्हें गिरफ्तार किया गया, मगर वे झुके नही। जेल से छूटने के बाद भी वे अपना काम करते रहे। संघ से उनका रिश्ता किसी से छिपा नहीं है। इसलिए तथाथाकथित वामपंथी लेखक उन्हें दक्षिण पंथी कह कर उनको नजरअंदाज करने की कोशिश करते है।। लेकिन इससे उन्हें कभी फर्क नहीं पड़ा। वे अपना लेखन करते रहे।। गोयनका जी की साहित्य की दुनिया में एक सम्मानजनक उपस्थिति हमेशा बनी रही। उनके आलोचक भी उनकी अध्ययनशीलता और अन्वेषी-प्रतिभा का लोहा मानते रहे है।

भाजपा सरकार जब केंद्र में आयी तो हम लोगो को लग रहा था उन्हें कोई अति महत्पूर्ण पद पर बैठाया जाएगा, लेकिन उनके चाहने वाले निराश नहीं हुए। उन्हें केंद्रीय हिन्दी संस्थान आगरा का उपाध्यक्ष बना दिया गया। गोयनका जी के आने के बाद अनेक लघु पत्रिकाओं को, हाशिये में पड़े लोगों का ध्यान रखा गया। इसके पहले गुटबाजी के कारण अनेक साहित्यिक प्रतिभाओ को सम्मान से वंचित रहना पड़ता था, लेकिन इस बार ऐसे लोगो को सम्मानित किया गया जो वर्षो से साहित्य की उपेक्षा का शिकार होते रहे जबकि इनकी लेखनी लोक मंगल के लिए समर्पित रही। गोयनका जी की महानता और उदारता का इससे बड़ा प्रमाण क्या हो सकता है कि संस्थान से एक-दो ऐसी पत्रिकाओ को भी अनुदान दिया जा रहा है, जो वामपंथी सोच वाली हैं। गोयनका जी का मानना है कि ये पत्रिकाएं भले ही एक विशेष विचारधारा से प्रतिबद्ध हो, मगर वे साहित्य में बौद्धिकविमर्श तो करती ही है।

हम सब यही चाहते थे कि डॉ. गोयनका जी शतायु हों। खूब लिखें और हम सबका मार्गदर्शन करते रहे। ये लोग छायादार वृक्ष हैं। ऐसे बरगद जिसके नीचे साहित्य की नयी पौध भी पनप सकती है। पनपती रही। जबकि कहा जाता है कि बरगद के नीचे कोई पौधा नहीं पनपता। गोयनका रूपी बरगद अपवाद रहे। आप नयी पीढ़ी को प्रोत्साहित करते रहे। उनका मार्गदर्शन करते और अपने कर्म से ही सबको सन्देश देते थे कि लेखक को कैसा होना चाहिए। हिन्दी में अनेक व्यभिचारी लेखक-आलोचक भरे पड़े है। सुरा-सुंदरी और मांसाहार आदि के शौकीन ये लोग साहित्य के उन्नयन की जब बात करते हैं, तो हँसी आती है। ऐसे लोगो के कारण स्त्री-विमर्श फूहड़ प्रहसन में तब्दील हुआ। ऐसे खतरनाक लोगों के बीच गोयनका जी जैसे सात्विक लेखक-आलोचकों की उपस्थिति आश्वस्त करती थी कि जब तक इनके जैसे मुट्ठी भर अच्छे लोग विद्यमान है, सामाजिक-साहित्यिक मूल्य कायम रहेंगे।

उनको शत-शत नमन !

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादक: चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइल: 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

अच्छी आवासीय सुविधा देकर ईज ऑफ लिविंग को बढ़ावा देना डबल इंजन सरकार की पहली प्राथमिकता: योगी आदित्यनाथ

सीएम योगी ने 800 एकड़ में 7 हजार करोड़ रुपए की लागत से बन रही अनंत नगर आवासीय योजना का वासंतीय नवरात्रि के अवसर पर किया शुभारंभ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- इस योजना में लगभग 800 एकड़ क्षेत्र में आवासीय योजना प्रस्तावित की गई है
- डेढ़ लाख लोगों को इसमें आवासीय सुविधा मिलेगी।
- इसमें 10 हजार फ्लैट्स का निर्माण 60 प्लॉट्स में करने का प्रावधान किया गया है
- ईडब्ल्यूएस व एलआईजी श्रेणी के 5 हजार भवनों में 25 हजार से अधिक लोगों के लिए आवासीय सुविधा का प्रावधान किया गया है
- प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत भी 3 हजार आवास निर्माण की सुविधा यहां उपलब्ध होगी

लखनऊ। वासंतीय नवरात्रि के अवसर पर शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के वासियों को बड़ा तोहफा दिया। सीएम योगी ने लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित किए जा रहे अनंत नगर आवासीय सुविधा के अंतर्गत पंजीकरण प्रक्रिया का शुभारंभ करते हुए कहा कि अच्छी आवासीय सुविधा देकर ईज ऑफ लिविंग को बढ़ावा देना डबल इंजन सरकार की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि 20 वर्ष के बाद उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक अच्छी आवासीय योजना के शुभारंभ के अवसर पर मैं लखनऊवासियों को शुभकामनाएं देता हूं। उल्लेखनीय है कि लखनऊ विकास प्राधिकरण ने लगभग 800 एकड़ क्षेत्र में 7 हजार करोड़ रुपए की लागत से वसंत नगर आवासीय स्कीम लेकर आयी है। वहीं, इस योजना के साथ ही एक इंटीग्रेटेड टाउन प्लानिंग के तहत एजुकेशन हब स्थापित करने के लिए 100 एकड़ से अधिक क्षेत्र में आरक्षित की गई है। सीएम योगी ने कहा कि योजना के अंतर्गत हाईराइज अपार्टमेंट से साथ प्लॉट भी उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी योजना के अंतर्गत की गई है जो कि अत्यंत सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि लोगों के जीवन में परिवर्तन हो, बेहतर आवासीय सुविधा प्राप्त हो, उनका जीवन और भी आसान हो इस दिशा में वसंत नगर आवासीय योजना की स्कीम फलदायी है तथा यह वन ट्रिलियन डॉलर के प्रदेश के सपने को सच करने की दिशा में एक सार्थक कदम है। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 10 वर्ष में अच्छी आवासीय सुविधा देने तथा ईज ऑफ लिविंग को बढ़ावा देने क्षेत्र में बड़े कदम बढ़ाए हैं। अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग तथा निर्धारित समयसीमा से पूर्व सस्ती आवासीय सुविधाओं को उपलब्ध कराना आज की आवश्यकता है। उस आवश्यकता के अनुरूप लखनऊ विकास प्राधिकरण ने यह कार्य आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि वैसे तो एक हाई राइज बिल्डिंग के बनने में 5 से 10 वर्षों का समय लगता था। वहीं, आज कुछ ही महीनों में उसका स्ट्रक्चर खड़ा हो सकता है जिससे लोगों को अच्छी आवासीय सुविधा उपलब्ध करायी जा सकती है। सीएम योगी ने उदाहरण देते हुए कहा कि दो वर्ष पहले लखनऊ में लाइट हाउस प्रोजेक्ट के तहत एक अच्छा प्रयास किया गया। कोविड कालखंड के दौरान भी अत्याधुनिक तकनीक आधारित इस योजना का कार्य बढ़ता रहा। सीएम योगी ने लखनऊ विकास प्राधिकरण को निर्देश देते हुए कहा कि हमारा प्रयास होना चाहिए कि अनंत नगर आवासीय योजना भी इसी प्रकार की तकनीक पर निर्मित किया जाए। लोगों को अच्छी लेकिन सस्ती आवासीय सुविधा प्राप्त हो तथा एक हरा-भरा आध्यात्मिक वातावरण उन्हें प्राप्त हो। एक ही स्थल पर सभी प्रकार की सुविधाएं उन्हें प्राप्त होनी चाहिए। यह न केवल शासन की प्राथमिकता है बल्कि इसी आधार पर कार्यक्रम आगे बढ़ रहा है।

योजना आम लोगों तक शीघ्र उपलब्ध हो

सीएम योगी ने लखनऊ विकास प्राधिकरण को निर्देश देते हुए कहा कि अभी से हमें तैयारी करनी होगी। यह योजना आम लोगों तक शीघ्र उपलब्ध हो। हम ईज ऑफ लिविंग को तो सुनिश्चित करेंगे ही बल्कि किसी भी जरूरतमंद को इस आवासीय योजना में किसी प्रकार के मिडीएटर की आवश्यकता न पड़े यह लखनऊ विकास प्राधिकरण सुनिश्चित करेगा। इस प्रकार की आवासीय योजना और नई सिटी का बनना यह सरकार की वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी के लक्ष्य की ओर एक सार्थक कदम बनेगा। लोगों के जीवन में परिवर्तन हो, बेहतर आवासीय सुविधआ प्राप्त हो, उनका जीवन और भी आसान हो इसके लिए भी इस प्रकार की स्कीम फलदायी हैं। वासंतीय नवरात्रि के अवसर पर लखनऊ विकास प्राधिकरण की ओर से शुरू की गई इस योजना के लिए बधाई देते हुए सीएम योगी ने कहा कि मुझे विश्वास है कि आज से रजिस्ट्रेशन की कार्रवाई के साथ एक पारदर्शी चयन प्रक्रिया के माध्यम से हर जरूरतमंद को आवासीय सुविधा एक निर्धारित समयसीमा के अंदर उपलब्ध कराने में लखनऊ विकास प्राधिकरण सफल होगा। कार्यक्रम में सरोजनी नगर के विधायक राजेश्वर सिंह, प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) एसपी गोयल, प्रमुख सचिव (आवास) पी गुरू प्रसाद, आवास आयुक्त बलकार सिंह, आयुक्त (लखनऊ मंडल) डॉ. रोशन जैकब, पुलिस आयुक्त (लखनऊ) अमरेंद्र कुमार सेंगर तथा लखनऊ के जिलाधिकारी विशाख जी तथा लखनऊ विकास प्राधिकरण के वीसी तथा इन्वेस्ट यूपी के सीईओ प्रथमेश कुमार समेत विभिन्न अधिकारी व गणमान्य उपस्थित रहे।

अब 'अरब जगत' भी देखेगा यूपी का ठाठ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- दुबई में 28 अप्रैल से 1 मई के मध्य आयोजित होने वाले अरेबियन ट्रैवल मार्ट (एटीएम) में यूपी की टूरिज्म ऑफरिंग्स होंगी शोकेस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ने प्रदेश के पर्यटन को नया आयाम दिया है। ऐतिहासिक, सांस्कृतिक व प्राकृतिक विरासतों से समृद्ध उत्तर प्रदेश के ठाठ का दर्शन अब जल्द ही अरब जगत भी बड़े स्तर पर करने जा रहा है। दुबई में 28 अप्रैल से एक मई के मध्य वैश्विक तौर पर प्रसिद्ध अरेबियन ट्रैवल मार्ट (एटीएम) का आयोजन होने जा रहा है।

ऐसे में, सीएम योगी के विजन को मिशन मानकर उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग यहां यूपी की टूरिज्म ऑफरिंग्स को शोकेस करने की तैयारी कर रहा है। योजना के तहत, दुबई स्थित अरेबियन ट्रैवल मार्ट के वेन्यू पर उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा रोड शो तथा 50 स्क्वेयर मीटर क्षेत्र में भव्य पंडाल का संचालन किया जाएगा।

यहां सूफी सर्किट, रिवर टूरिज्म, हेल्थ व वेलनेस टूरिज्म तथा ईको व रूरल टूरिज्म के प्रमुख पर्यटक गंतव्यों की जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही, कन्नौज के इत्र की महक के साथ आगरा समेत प्रदेश के भव्य महलों व समृद्ध कला-संस्कृति की भी झलक देखने को मिलेगी। वहीं, वृंदावन के मयूर नृत्य, झांसी के बुंदेली नृत्य तथा लखनऊ के कथक नृत्य समेत कई प्रकार की प्रस्तुतियों का प्रदर्शन होगा। अरेबियन ट्रैवल मार्ट में उत्तर प्रदेश के शानदार पर्यटन आकर्षणों का अनुभव किया जा सकेगा।

इसमें इत्र पर्यटन-भारत की इत्र राजधानी, सूफी सर्किट, उत्तर प्रदेश की शाही विरासत, स्मारक-किले व आगरा की शान, पर्यावरण व ग्रामीण पर्यटन, पारंपरिक स्वास्थ्य और कल्याण पर्यटन- यूनानी और आयुर्वेदिक चिकित्सा केंद्र तथा नदी पर्यटन जैसी थीम व फोकस एरिया को प्रमोट किया जाएगा।

बी2बी तथा बी2जी बैठकों का होगा संचालन

पर्यटन विभाग द्वारा दुबई में आयोजित होने वाले अरेबियन ट्रैवल मार्ट एग्जिबिशन में यूपी की थीम पर बेस्ड भव्य पंडाल का संचालन करेगा। इस दौरान जिस पंडाल की स्थापना व संचालन किया जाएगा वह विभिन्न प्रकार की आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा। यहां बी2बी व बी2जी बैठकों का संचालन हो सकेगा। यहां पर्यटन विभाग की वेबसाइट व मोबाइल ऐप को भी प्रमोट किया जाएगा तथा इनके जरिए मिलने वाली विभिन्न प्रकार की सुविधाओं के बारे में अवगत कराया जाएगा।

दो दिन में सीएम के हाथों मिलेगा 2842 करोड़ रुपये का नवरात्र उपहार

आज जीडीए की 1642 करोड़ रुपये की 107 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे मुख्यमंत्री

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार और रविवार (5 व 6 अप्रैल) को गोरखपुर को 2842 करोड़ रुपये के विकास कार्यों तथा औद्योगिक प्रगति का नवरात्र उपहार देंगे। वह शनिवार को जीडीए (गोरखपुर विकास प्राधिकरण) की 1642 करोड़ रुपये की लागत वाली 107 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। इसके अगले दिन रविवार को मुख्यमंत्री गीडा में 1200 करोड़ रुपये के निवेश वाली केयान डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड के प्लांट का लोकार्पण कर गोरखपुर को एथेनॉल उत्पादन का हब बनाने का मार्ग प्रशस्त करेंगे। सीएम योगी चैत्र नवरात्र की अष्टमी तिथि पर शनिवार को पैडलेगंज-आरकेबीके रिंग रोड का लोकार्पण, वर्ल्ड क्लास कन्वेंशन सेंटर का शिलान्यास, कार्निवाल पार्क का शुभारंभ और आवासीय योजना गोरक्ष एंक्लेव का उद्घाटन करने के साथ ही जीडीए की कुल 107 विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। इन सभी विकास परियोजनाओं की सम्मिलित लागत 1642 करोड़ रुपये है। पैडलेगंज-आरकेबीके रिंग रोड महानगर के एक हिस्से में जाम की समस्या का समाधान करने में कारगर प्रोजेक्ट है। मुख्यमंत्री रामगढ़ताल इलाके में जीडीए की शानदार आवासीय योजना गोरक्ष एंक्लेव का उद्घाटन भी करेंगे। 55 करोड़ रुपये के इस हाउसिंग प्रोजेक्ट को 4313 वर्गमीटर क्षेत्रफल में विकसित किया है। इस प्रोजेक्ट के तहत दो ब्लॉक में 86 बहुमंजिला फ्लैट बनाए गए हैं। उद्घाटन के अवसर सीएम योगी किसी एक या कुछ फ्लैट्स का निरीक्षण भी कर सकते हैं।

यह सभी जानते हैं कि योगी सरकार रामगढ़ताल क्षेत्र को पर्यटन के लिहाज से चमका रही है। इसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए निजी क्षेत्र की साझेदारी के तहत मेसर्स जेएसआर द्वारा आल इन वन कार्निवाल पार्क विकसित किया गया है। यहां एडवेंचर पार्क, आर्केड जोन, बीआर पार्क, इंफ्लेटेबल पार्क और एम्यूजमेंट पार्क को तैयार किया गया है। इन व्यवस्थाओं में कई प्रकार के मनोरंजक गेम्स का आनंद उठाया जा सकेगा। समग्र रूप से इस कार्निवाल पार्क का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को करेंगे।

सीएम योगी की मंशा के अनुरूप जीडीए रामगढ़ताल के सामने 25 एकड़ में विस्तृत और 1410 करोड़ रुपये की लागत से इंटीग्रेटेड स्टेट ऑफ आर्ट कन्वेंशन सेंटर, क्लब एंड फाइव स्टार होटल का निर्माण कराने जा रहा है। इसका शिलान्यास शनिवार को मुख्यमंत्री के हाथों होगा। इसकी क्षमता 5000 व्यक्तियों की होगी। इसका निर्माण तीन साल में पूर्ण करने का लक्ष्य है।

योगी सरकार की पहल से रोशन हुआ वनटांगिया गांव

गोण्डा के मनीपुर ग्रांट में पहली बार पहुंची बिजली

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ/गोण्डा। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक बार फिर साबित किया है कि उसकी प्राथमिकता गांव, गरीब और वंचित हैं।

गोण्डा जिले के छपिया ब्लॉक स्थित मनीपुर ग्रांट वनटांगिया गांव में पहली बार बिजली पहुंचने का सपना अब साकार हुआ है। योगी सरकार की नीतियों और निर्णयों के चलते इस सुदूर वनवासी गांव में भी अब विकास की रोशनी पहुंच चुकी है।

वर्षों तक अंधेरे में रहने वाले करीब 80 लोगों की आबादी वाले इस गांव में अब रोशनी की नई किरण दिखाई देने लगी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की योजनाओं ने इस बदलाव को संभव बनाया है। आजादी के बाद से अंधेरे में डूबे इस गांव में बदलाव की शुरूआत 2018 में हुई, जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वनटांगिया गांवों के विकास के लिए विशेष पहल की। पहले चरण में सोलर लाइट्स लगाई गईं, जिससे ग्रामीणों को रात के अंधेरे से कुछ राहत मिली। अब विद्युत विभाग द्वारा बिजली कनेक्शन देने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

शिविर में होंगे बिजली कनेक्शन वितरित

शनिवार को गांव में एक विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें औपचारिक रूप से ग्रामीणों को बिजली कनेक्शन दिए जाएंगे। इससे न केवल घरों में रोशनी आएगी, बल्कि गांव विकास की मुख्यधारा से भी जुड़ सकेगा।

गजरौला,बागपत,मोरना और सेमीखेड़ा की चीनी मिलों का होगा क्षमता विस्तार

रुद्र बिलासपुर की चीनी मिल का किया जा रहा है तकनीकी अपग्रेड

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- 1967 करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है चीनी मिलों का क्षमता विस्तार
- आई टी इंटरवेंशन से होगा चीनी मिलों के कार्यों का होगा प्रभावी नियंत्रण

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश की गन्ना आधारित अर्थव्यवस्था का तीव्र विकास हो रहा है। एक ओर जहां प्रदेश गन्ना उत्पादन में प्रथम स्थान पर पहुंच चुका है वहीं दूसरी ओर चीनी उत्पादन को भी तेजी से बढ़ाया जा रहा है। इस दिशाक्रम में उत्तर प्रदेश चीनी मिल संघ गजरौला, बागपत, मोरना और सेमीखेड़ा की चीनी मिलों का क्षमता विस्तार किया जा रहा है। साथ ही रुद्र बिलासपुर की चीनी मिल का तकनीकि उन्नयन के लिये भी डीपीआर प्रेषित किया जा चुका है। चीनी मिल संघ, चीनी मिलों की कार्यक्षमता विस्तार के लिये 1967 करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। साथ ही चीनी मिलों के कार्यों का प्रभावी नियंत्रण करने के लिए आईटी इंटरवेंशन का उपयोग किया जाएगा।

प्रदेश में चीनी उत्पादन में बढ़ोत्तरी के लिए चीनी मिल संघ वर्तमान में अपनी संचालित चीनी मिलों का तकनीकि उन्नय, प्रभावी नियंत्रण के साथ क्षमता विस्तार किया जा रहा है। इसके लिए 1967 करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। इस क्रम में गजरौला और बागपत की चीनी मिल की क्षमता 2500 टीसीडी से बढ़ाकर 4900 टीसीडी किया जा रहा है। इसके लिए क्रमशः 545.52 और 570 करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। इसी क्रम में मोरना की चीनी मिल का पहले चरण में 2500 से 3500 टीसीडी क्षमता विस्तार किया जा रहा है। जबकि द्वितीय चरण में क्षमता 5000 टीसीडी किये जाने का डीपीआर 30 अप्रैल तक प्रेषित किया जा रहा है। वहीं सेमीखेड़ा की चीनी मिल की क्षमता का विस्तार भी 2750 टीसीडी से 3500 टीसीडी किया जाना है। चीनी मिल संघ 75 करोड़ रुपये की लागत से रुद्र बिलासपुर की चीनी मिल का तकनीकि अपग्रेडेशन किया जा रहा है। साथ ही मिल संघ चीनी मिलों का प्रभावी नियंत्रण करने और कार्य क्षमता बढ़ाने के लिए आईटी इंटरवेंशन का उपयोग किया जाएगा। इसके तहत इंवेट्री मैनेजमेंट और प्रोक्योरमेंट का डिजीटलाइजेशन किया जा रहा है। साथ ही मोलासेस विक्रय और गन्ने के व्यवस्था के लिए आनलाइन सिस्टम डेवलप किया जा रहा है।

गन्ना विकास कार्यक्रमों हेतु निर्धारित बजट की समीक्षा के लिए बैठक आयोजित

उपगन्ना आयुक्त ने की बसन्तकालीन गन्ना बुवाई एवं माईक्रोप्लान की समीक्ष

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- समीक्षा बैठक में आगामी पेराई सत्र हेतु विकास कार्यो के रोड मैप तैयार करने पर गहन मंथन

मेरठ। गन्ना भवन के सभागार में आज मेरठ परिक्षेत्र के उप गन्ना आयुक्त, की अध्यक्षता में मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। आज आयोजित इस समीक्षा बैठक में परिक्षेत्र के समस्त जिला गन्ना अधिकारी, समस्त ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक, सचिव सहकारी गन्ना विकास समिति एवं मण्डल की समस्त चीनी मिलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान उप गन्ना आयुक्त ने पेराई सत्र 2024-25 के अन्तर्गत अवशेष पेराई योग्य गन्ने की मात्रा तथा चीनी मिल बंदी की सम्भावित तिथियों की समीक्षा करते हुए समस्त चीनी मिलों के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि मिल प्रतिनिधि अपने मिल क्षेत्र के अन्तर्गत भ्रमण कर खडे गन्ने का चिन्हांकन कर लें तथा जब तक किसानो के खेतों में खडे गन्ने की आपूर्ति सुनिश्चित न हो जाये , तब तक चीनी मिलों को संचालित किया जाये। उप गन्ना आयुक्त द्वारा बसन्तकालीन गन्ना बुवाई एवं माईक्रोप्लान की समीक्षा करते हुए विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि विकास कार्यों में शिथिलता बरतने तथा बुवाई के लक्ष्यों की पूर्ति न करने पर नियमानुसार कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। समीक्षा के दौरान उप गन्ना आयुक्त द्वारा वर्तमान पेराई सत्र 2024-25 में गन्ना मूल्य भुगतान,टैगिंग आदेश के अनुपालन की स्थिति,चीनी मिलों की गन्ना खरीद,पेराई,चीनी उत्पादन व रिकवरी की स्थिति, विगत पेराई सत्रों के गन्ना विकास अंशदान एवं प्रचार-प्रसार पर भी गहन समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये। उन्होने बसन्तकालीन बुवाई वर्ष 2025-26 हेतु जिलावार आवंटन के सापेक्ष गन्ना बीज उठान की समीक्षा भी की तथा गन्ना समितियों के रिर्टन फाईलिंग, टी.डी.एस वापसी एवं आडिट आपत्तियों के समयान्तर्गत निष्पादन करने हेतु भी सहकारी गन्ना विकास समितियों के सचिवों को निर्देशित किया। उप गन्ना आयुक्त ने 'मुख्यमंत्री गन्ना कृषक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम' के अन्तर्गत निर्देश दिये कि गन्ना किसानों को गन्ना खेती की नवीन तकनीकी एवं नवीन गन्ना किस्मों की जानकारी कराने एवं खेती को अधिक लाभकारी बनाने हेतु कृषकों को प्रशिक्षण दिया जाये। बैठक में उप गन्ना आयुक्त ने स्थापन सम्बन्धित प्रकरणों, लम्बित वादों/ रिट याचिका, अनुशासनिक कार्यवाहियों, सेवा निवृत्त कार्मिको के देयताओ, समिति भवनो के जीर्णोद्धार, प्रोन्नति/ए.सी.पी, मानव सम्पदा पोर्टल के संबन्ध में मुख्यालय से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा भी की।

ट्रंप शुल्क का प्रभाव, FPI ने चार कारोबारी सत्रों में शेयरों से 10,355 करोड़ रुपये निकाले

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दुनिया के कई देशों पर जवाबी शुल्क लगाए जाने का असर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियों पर भी पड़ा है। एफपीआई ने पिछले चार कारोबारी सत्रों में भारतीय शेयर बाजार से 10,355 करोड़ रुपये निकाले हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, 21 मार्च से 28 मार्च तक छह कारोबारी सत्रों में एफपीआई ने भारतीय बाजार में 30,927 करोड़ रुपये डाले थे। इस प्रवाह की वजह से मार्च महीने में उनकी कुल निकासी घटकर 3,973 करोड़ रुपये रही है।

इससे पहले फरवरी में, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयरों से 34,574 करोड़ रुपये निकाले थे, जबकि जनवरी में उनकी निकासी 78,027 करोड़ रुपये रही थी। बीडीओ इंडिया के भागीदार और लीडर, एफएस कर, कर और नियामकीय सेवाएं मनोज पुरोहित ने कहा कि आने वाले दिनों में बाजार भागीदारों की निगाह अमेरिकी शुल्क के दीर्घावधि के प्रभाव और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की इस सप्ताह होने वाली मौद्रिक समीक्षा बैठक पर रहेगी। बाजार उम्मीद कर रहा है कि केंद्रीय बैंक रेपो दर में

कटौती करेगा। उन्होंने कहा कि ये घटनाक्रम आगामी दिनों में निवेश रणनीतियों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने पिछले चार कारोबारी सत्रों (एक अप्रैल से चार अप्रैल तक) तक भारतीय शेयरों से शुद्ध रूप से 10,355 करोड़ रुपये निकाले हैं।

इसके साथ ही, 2025 में अबतक एफपीआई की कुल निकासी 1.27 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, "अमेरिकी शुल्क उम्मीद से कहीं अधिक हैं। अब उनके व्यापक आर्थिक प्रभाव को लेकर चिंता है।" उन्होंने कहा कि भारत और अन्य देशों पर जवाबी शुल्क से अमेरिका में महंगाई बढ़ेगी। इन घटनाक्रमों के प्रभाव से अमेरिकी बाजारों में भी भारी बिकवाली देखने को मिली है। सिर्फ दो कारोबारी सत्रों में एसएंडपी 500 और नैस्डैक में 10 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है।

विजयकुमार ने कहा कि पूर्ण व्यापार युद्ध के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं, जिससे वैश्विक व्यापार और आर्थिक वृद्धि पर असर पड़ेगा। हालांकि, डॉलर इंडेक्स के घटकर 102 तक आने को भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं में पूंजी प्रवाह के लिए अनुकूल माना जा रहा है।" आंकड़ों के अनुसार, शेयरों के अलावा एफपीआई ने समीक्षाधीन अवधि में बॉन्ड या ऋण बाजार से सामान्य सीमा के तहत 556 करोड़ रुपये और स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 4,038 करोड़ रुपये निकाले हैं।

सेंसेक्स की शीर्ष दस में से नौ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.94 लाख करोड़ रुपये घटा

नई दिल्ली। कम कारोबारी सत्रों वाले बीते सप्ताह के दौरान सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 2,94,170.16 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रही। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,050.23 अंक या 2.64 प्रतिशत नीचे आया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में 614.8 अंक या 2.61 प्रतिशत का नुकसान रहा।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और आईटीसी के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। भारती एयरटेल एकमात्र कंपनी रही, जिसकी बाजार हैसियत बढ़ी है। समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 1,10,351.67 करोड़ रुपये घटकर 11,93,769.89 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 95,132.58 करोड़ रुपये घटकर 16,30,244.96 करोड़ रुपये पर और इन्फोसिस का 49,050.04 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 6,03,178.45 करोड़ रुपये पर आ गया। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 14,127.07 करोड़ रुपये घटकर 5,40,588.05 करोड़ रुपये रही। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 9,503.66 करोड़ रुपये घटकर 9,43,264.95 करोड़ रुपये पर आ गया। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 8,800.05

करोड़ रुपये घटकर 13,90,408.68 करोड़ रुपये पर और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का मूल्यांकन 3,500.89 करोड़ रुपये घटकर 5,27,354.01 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 3,391.35 करोड़ रुपये घटकर 6,85,232.33 करोड़ रुपये रहा।

आईटीसी की बाजार हैसियत 312.85 करोड़ रुपये घटकर 5,12,515.78 करोड़ रुपये पर आ गई। इस रुख के उलट भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 7,013.59 करोड़ रुपये बढ़कर 9,94,019.51 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

खाद्यान्न उत्पादन में भारत की आत्मनिर्भरता में इफको की भूमिका महत्वपूर्णः अमित शाह

गांधीनगर। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि उर्वरक सहकारी संस्था इफको ने भारत को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शाह ने इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड (इफको) के रासायनिक उर्वरकों के बजाय नैनो और जैव उर्वरकों का रुख करने की भी सराहना की। सहकारिता मंत्री ने इफको की कलोल इकाई के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों की मदद, शोध एवं विकास, विपणन और हर घर तक पहुंचने के मामले में इफको ने ऐसी दक्षता दिखाई है कि कोई भी कॉरपोरेट कंपनी उससे सीख ले सकती है।

उन्होंने इस अवसर पर इफको के बीज अनुसंधान केंद्र की आधारशिला भी रखी। शाह ने कहा कि इफको के 50 वर्ष कृषि, अनाज उत्पादन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसानों की समृद्धि के लिए समर्पित रहे हैं। अगले 50 वर्षों में इफको कृषि को आधुनिक और उत्पादक बनाने, कृषि भूमि को संरक्षित करने और देश के पर्यावरण को बचाने के लिए काम करेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज यदि भारत खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर है, तो इसमें इफको का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि इफको ने समय के साथ थोक उर्वरक इस्तेमाल की

जगह लक्षित और नियंत्रित उपयोग पर ध्यान केंद्रित किया है ताकि मिट्टी को बिना नुकसान के पोषक तत्व मिल सकें। शाह ने बताया कि इफको ने वर्तमान में 90 लाख टन की उत्पादन क्षमता, 40,000 करोड़ रुपये का कारोबार और 3,200 करोड़ रुपये का लाभ हासिल किया है। उन्होंने कहा कि 50 साल पहले उच्च लागत और कम दक्षता पर काम करने वाली इफको ने आज कम लागत और उच्च दक्षता प्राप्त की है।

उन्होंने यह भी कहा कि इफको एक कॉरपोरेट इकाई की तरह काम करती है, जबकि इसका स्वामित्व देश भर के हजारों किसान समूहों के पास है। शाह ने इफको के प्रबंध निदेशक यू एस अवस्थी की दूरदर्शिता की सराहना करते हुए कहा कि नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के उत्पादन में इफको भारत में अग्रणी रही है और इसने भारतीय सहकारी क्षेत्र की ख्याति विश्व स्तर पर फैलाई है।

बीते वित्त वर्ष में पश्चिम बंगाल के जीएसटी संग्रह में वृद्धि राष्ट्रीय औसत से अधिक : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को कहा कि राज्य अपने संसाधन जुटाने के प्रयासों में लगातार प्रगति कर रहा है और उसने वित्त वर्ष 2024-25 में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में 11.43 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की है, जो राष्ट्रीय औसत से दो प्रतिशत अधिक है। ममता बनर्जी ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में पश्चिम बंगाल का जीएसटी संग्रह पिछले वर्ष की तुलना में 4,808 करोड़ रुपये अधिक रहा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पश्चिम बंगाल अपने संसाधन जुटाने के प्रयासों में लगातार प्रगति कर रहा है, जो वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में संकलित वित्तीय परिणामों

से स्पष्ट है। 2024-25 में हमने पिछले वर्ष की तुलना में 4,808 करोड़ रुपये अधिक माल एवं सेवा कर (जीएसटी)जुटाया है, जो 11.43 प्रतिशत की वृद्धि है। यह राष्ट्रीय स्तर (9.44 प्रतिशत वृद्धि) से दो प्रतिशत अधिक है और हमारी बढ़ती आंतरिक वित्तीय ताकत को दर्शाता है। ममुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि पंजीकरण और स्टाम्प शुल्क के मामले में संपत्ति बैनामा की संख्या में साठ हजार की वृद्धि हुई है, जो हमारे बाजार की गतिशीलता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में, 2024-25 में संग्रह पिछले वर्ष की तुलना में 1,908 करोड़ रुपये अधिक रहा है, जो 31.05 प्रतिशत की वृद्धि है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि यह सब दिखाता है कि हम आत्मनिर्भरता और वित्तीय अनुशासन में विश्वास करते हैं, और हमारा प्रशासन बंगाल के लोगों के कल्याण के लिए राज्य के वित्त को सुव्यवस्थित करने को लेकर गंभीर है।

स्विगी को 7.59 करोड़ रुपये की कर मांग का नोटिस

नई दिल्ली। ऑनलाइन ऑर्डर पर खाने-पीने और किराना सामान की आपूर्ति करने वाले मंच स्विगी को अप्रैल, 2021 से मार्च, 2022 की अवधि के लिए पुणे के व्यवसाय कर अधिकारी के कार्यालय से 7.59 करोड़ रुपये का मूल्यांकन आदेश मिला है। स्विगी ने शनिवार शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि कंपनी के खिलाफ महाराष्ट्र राज्य व्यवसाय, व्यापार एवं रोजगार कर अधिनियम, 1975 के तहत कर्मचारियों के वेतन से व्यवसाय कर की कटौती से संबंधित प्रावधानों का उल्लंघन करने का आरोप लगा है। स्विगी ने कहा कि कंपनी का मानना है कि उसके पास इस आदेश के खिलाफ मजबूत तर्क हैं और वह समीक्षा/अपील के माध्यम से अपने हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठा रही है। कंपनी ने कहा कि इस आदेश का उसकी वित्तीय स्थिति और परिचालन पर कोई बड़ा प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है।

जेपी एसोसिएट्स के अधिग्रहण की दौड़ में अदाणी वेदांता और पतंजलि सहित 26 कंपनियां शामिल

नई दिल्ली। अरबपति उद्योगपति गौतम अदाणी का समूह, खनन दिग्गज अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता और योग गुरु रामदेव की कंपनी पतंजलि आयुर्वेद समेत 26 कंपनियां कर्ज में डूबी कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स का अधिग्रहण करना चाहती हैं। जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के अधिग्रहण में दिलचस्पी रखने वाली अन्य कंपनियों में अहमदाबाद स्थित टॉरेंट ग्रुप, जिंदल पावर, डालमिया सीमेंट, जीआरएम बिजनेस, ओबेरॉय रियल्टी और कोटक अल्टरनेट एसेट मैनेजर्स लिमिटेड शामिल हैं। शेयर बाजारों को जेएएल ने अधिग्रहण की इच्छुक कंपनियों के बारे में यह सूचना दी है।

रियल एस्टेट, सीमेंट उत्पादन, आतिथ्य और इंजीनियरिंग एवं निर्माण क्षेत्रों में सक्रिय जेएएल ने भारतीय दिवाला और ऋणशोधन बोर्ड (कॉरपोरेट इकाइयों के लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया) विनियम, 2016 के नियम 36ए (10) के तहत पात्र संभावित समाधान आवेदकों (पीआरए) की अस्थायी सूची जारी की। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की इलाहाबाद पीठ के तीन जून, 2024 के आदेश से जेएएल के खिलाफ कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) शुरू की गई है। बकाया कर्जों के भुगतान में चूक के बाद कंपनी को दिवाला कार्यवाही में ले जाया गया है। लेनदारों ने कुल 57,185 करोड़ रुपये का दावा किया है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की अगुवाई वाले ऋणदाताओं के समूह से जेएएल के तनावग्रस्त ऋणों को लेने के बाद राष्ट्रीय परिसंपत्ति पुनर्गठन कंपनी लिमिटेड (एनएआरसीएल)

दावेदारों की सूची में सबसे आगे है। अधिग्रहण की दिलचस्पी जताने वाली कंपनियों में अदाणी समूह की मुख्य कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड, डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड, जीएमआर बिजनेस एंड कंसल्टेंसी एलएलपी, जेपी इन्फ्राटेक, जिंदल इंडिया पावर लिमिटेड, जिंदल पावर लिमिटेड, कोटक अल्टरनेट एसेट मैनेजर्स लिमिटेड, ओबेरॉय रियल्टी लिमिटेड, पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड, टॉरेंट पावर और वेदांता लिमिटेड शामिल हैं।

इनके अलावा एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी (इंडिया) लिमिटेड, ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, विनरो कमर्शियल (इंडिया) लिमिटेड एवं पारख एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड का गठजोड़, डिकी एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, इंडिया ऑपर्च्युनिटीज इन्वेस्टमेंट्स पीटीई लिमिटेड, जे सी फ्लावर्स एसेट रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड, जैथरी थर्मल पावर, ओरिएंटल स्ट्रक्चरल इंजीनियर्स, पश्चिम सागर प्रॉपर्टीज, पीएनसी इन्फ्राटेक, रश्मि मेटालिक्स, शेरिशा टेक्नोलॉजीज, सिग्मा कॉरपोरेशन और विनचैन इन्फ्रास्ट्रक्चर ने भी इसके अधिग्रहण की मंशा जताई है। जेएएल के पास ग्रेटर नोएडा में जेपी ग्रीन्स, नोएडा में जेपी ग्रीन्स विशटाउन का एक हिस्सा और जेपी इंटरनेशनल स्पोर्ट्स सिटी जैसी प्रमुख रियल एस्टेट परियोजनाएं हैं। इसके दिल्ली एनसीआर में तीन वाणिज्यिक/औद्योगिक कार्यालय स्थल भी हैं, जबकि इसके होटल खंड की दिल्ली एनसीआर, मसूरी और आगरा में पांच संपत्तियां हैं।

जेएएल के मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में चार सीमेंट उत्पादन संयंत्र हैं और मध्य प्रदेश में कुछ पट्टे पर ली गई चूना पत्थर की खदानें भी हैं। हालांकि, सीमेंट संयंत्र फिलहाल चालू नहीं हैं। इसने जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड, यमुना एक्सप्रेसवे टोलिंग लिमिटेड, जेपी इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट लिमिटेड जैसी अनुषंगी कंपनियों के अलावा कुछ अन्य कंपनियों में भी निवेश किया है। जयप्रकाश एसोसिएट्स के मुताबिक, 11 मार्च, 2025 तक वित्तीय संस्थानों पर उसका कुल बकाया ऋण 55,409.28 करोड़ रुपये था। जेपी समूह की कंपनी जेपी इन्फ्राटेक का मुंबई स्थित सुरक्षा समूह ने दिवाला प्रक्रिया के माध्यम से पहले ही अधिग्रहण किया हुआ है। सुरक्षा समूह को नोएडा और ग्रेटर नोएडा में करीब 20,000 फ्लैट वाली कई स्थगित परियोजनाओं को पूरा करना है।

विदेशी मुद्रा भंडार 665.4 अरब डॉलर पर पहुंचा

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति और स्वर्ण भंडार में जबरदस्त बढ़ोतरी होने से 28 मार्च को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.6 अरब डॉलर के इजाफे के साथ 665.4 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.5 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 658.8 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 28 मार्च को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 6.2 अरब डॉलर की मजबूती के साथ 565.01 अरब डॉलर पर पहुंच गई। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 51.9 करोड़ डॉलर उछलकर 77.8 अरब डॉलर हो गया। वहीं, आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 6.5 करोड़ डॉलर की गिरावट लेकर 18.2 अरब डॉलर रह गया। इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 1.6 करोड़ डॉलर लुढ़ककर 4.41 अरब डॉलर पर आ गई।

भारत में कुल बैंक खातों में महिलाओं की हिस्सेदारी 39.2 प्रतिशत, डीमैट अकाउंट में भी हुई वृद्धि

नई दिल्ली। देश में कुल बैंक खातों में महिलाओं की हिस्सेदारी 39.2 प्रतिशत है। वहीं, भारत में बैंक खातों में जमा धन में महिलाओं का योगदान 39.7 प्रतिशत है। यह जानकारी सरकार द्वारा रविवार को दी गई। सरकार ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में खुले बैंक खातों में महिलाओं की हिस्सेदारी 42.2 प्रतिशत है।

पिछले कुछ वर्षों में डीमैट खातों की संख्या में वृद्धि हुई है, जो शेयर बाजार में बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है। 31 मार्च, 2021 से 30 नवंबर, 2024 तक डीमैट खातों की कुल संख्या 3.32 करोड़ से बढ़कर 14.30 करोड़ हो गई, जो चार गुना से अधिक की वृद्धि को दर्शाता है। पुरुष खाताधारकों की संख्या लगातार महिला खाताधारकों से अधिक रही है, लेकिन महिलाओं की भागीदारी में भी वृद्धि का रुझान देखा गया है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के अनुसार "पुरुष डीमैट खातों की संख्या 2021 में 2.65 करोड़ से बढ़कर 2024 में 11.53 करोड़ हो गई, जबकि इसी अवधि के दौरान महिला डीमैट

खातों की संख्या 66 लाख से बढ़कर 2.7 करोड़ हो गई।" आंकड़ों के अनुसार, "वर्ष 2021-22, 2022-23 और 2023-24 के दौरान विनिर्माण, व्यापार और अन्य सेवा क्षेत्रों में महिलाओं के स्वामित्व वाले प्रतिष्ठानों के प्रतिशत में इजाफा देखा गया है।"

पिछले कुछ वर्षों में, डीपीआईआईटी द्वारा मान्यता प्राप्त ऐसे स्टार्टअप की संख्या में वृद्धि हुई है, जिनमें कम से कम एक महिला निदेशक हैं, जो महिला उद्यमिता में सकारात्मक रुझान को दर्शाता है। ऐसे स्टार्टअप की कुल संख्या 2017 में 1,943 से बढ़कर 2024 में 17,405 हो गई है। 1952 में कुल मतदाताओं की संख्या 17.32 करोड़ से बढ़कर 2024 में 97.8 करोड़ हो गई। साथ ही महिला मतदाता पंजीकरण में मजबूत वृद्धि देखी गई है।

प्राथमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तरों पर लिंग समानता सूचकांक (जीपीआई) लगातार समान रहा है, जो मजबूत महिला नामांकन को दर्शाता है। उच्च प्राथमिक और प्रारंभिक स्तरों में उतार-चढ़ाव देखा गया, लेकिन यह समानता के करीब रहा है। डेटा के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लिए सामान्य स्थिति में श्रम बल भागीदारी दर (एलपीएफआर) 49.8 प्रतिशत (2017-18) से बढ़कर 60.1 प्रतिशत (2023-24) हो गई है।

बीते सप्ताह तेल-तिलहनों में गिरावट, मूंगफली, सरसों के भाव बढ़े

नई दिल्ली। विदेशों में खाद्य तेलों के दाम धराशायी होने तथा 'शुल्क युद्ध' की बढ़ती आशंकाओं के बीच कारोबारी धारणा बिगड़ने के कारण बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहनों के दाम टूट गए और सरसों, मूंगफली एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम पर्याप्त हानि के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि इससे पिछले सप्ताह जिस कच्चे पामतेल (सीपीओ) का दाम 1,200-1,205 डॉलर प्रति टन था, वह समीक्षाधीन सप्ताह में घटकर 1,160-1,165 डॉलर प्रति टन रह गया। बाजार धारणा बिगड़ने का यह मुख्य कारण रहा। हालांकि, यह दाम जो पहले सोयाबीन से लगभग 100 डॉलर अधिक था वह अब घटने के बाद सोयाबीन से लगभग 60 डॉलर अधिक ही है।

हालांकि, जितना पाम, पामोलीन तेल का दाम टूटा है, उतनी गिरावट सोयाबीन में नहीं आई। सूत्रों ने कहा कि बेशक थोक दाम में भारी कमी आयी हो लेकिन खुदरा बाजार में कोई उपभोक्ता सरसों, मूंगफली जैसे खाद्य तेल खरीदे, तो यह दाम आसमान पर है। आम उपभोक्ताओं के राहत के लिए इस बिडंबना का सुलझाना जरूरी है। सूत्रों ने कहा कि रमजान खत्म होने के बाद मलेशिया में पाम-पामोलीन का उत्पादन बढ़ने का समय आ गया है और अप्रैल से दिसंबर माह तक यह बढ़ेगा। लेकिन मलेशिया में बाजार का सारा खेल अब

सट्टेबाजों पर निर्भर करेगा कि वे कौन सा रास्ता चुनते हैं। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्था नेफेड की सोयाबीन बिक्री रुकने के बाद सोयाबीन के अनुकूल कुछ माहौल बना था लेकिन इसके डी-आयल्ड केक (डीओसी) की कमजोर मांग ने सारे माहौल पर पानी फेर दिया और सोयाबीन का सारा 'जोश' ठंडा हो गया।

सप्ताहांत में सोयाबीन तेल-तिलहन के भाव भी पर्याप्त गिरावट के साथ बंद हुए। सूत्रों ने कहा कि सरकार को बहुत सचेत होकर फैसले लेने होंगे कि ऐन बिजाई के समय बाजार में जो सोयाबीन और मूंगफली की हालत हो रही है, उससे किसानों को क्या संकेत जाएगा। इन दोनों फसलों के साथ-साथ सरसों के थोक दाम भी एमएसपी से कम हो गये हैं जो किसानों को किसी और लाभकारी फसल बोने की ओर ले जा सकता है। कहीं इन फसलों का हाल भी सूरजमुखी जैसा न हो जाये जिसकी दक्षिण भारत में काफी अधिक खेती होती थी और मूंगफली उत्पादन में भारत दूसरे नंबर का देश हुआ करता था लेकिन अब पूरे दक्षिण भारत में इसकी खेती विलुप्त हो चली है और किसान किसी अन्य लाभकारी फसल की ओर जा चुके हैं। सरकार द्वारा बाद में चाहे जितना भी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाया गया, फिर भी किसान इन फसलों की ओर वापस लौटकर नहीं आये। सूत्रों ने कहा कि सरसों का उत्पादन कम है और सरकार की ओर से इसकी अधिक से अधिक खरीद कर स्टॉक बनाने का यह उपयुक्त समय है। उन्होंने कहा कि जब तक किसानों को उनकी फसल का अच्छा दाम नहीं मिलेगा, उस फसल का उत्पादन बढ़ाना मुश्किल है। सरकार को इस बात को समझकर ही कोई पहल करनी चाहिये। विदेशों में पाम-पामोलीन का दाम टूटने के कारण लगभग सभी तेल-तिलहनों पर दबाव रहा और इसी कारण बिनौला के दाम भी लुढ़कते नजर आये।

सूत्रों ने कहा कि सबसे अहम बात महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश जैसी जगहों में लगे उन तेल संयंत्रों की है जिन्हें अगर समय पर सोयाबीन पेराई के लिए न मिले, तो वे क्या करेंगी। इससे जो खाद्य तेल की कमी होगी उसे कैसे पूरा किया जायेगा? बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 75 रुपये की गिरावट के साथ 6,200-6,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 450 रुपये की गिरावट के साथ 13,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 40-40 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,340-2,440 रुपये और 2,340-2,465 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,400-4,450 रुपये और 4,100-4,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह, सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 425 रुपये, 325 रुपये और 225 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 13,400 रुपये, 13,150 रुपये और 9,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 5,700-6,075 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं, मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमशः 450 रुपये और 55 रुपये की गिरावट के साथ 14,200 रुपये और 2,235-2,535 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 350 रुपये की गिरावट के साथ 12,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 400 रुपये की गिरावट के साथ 14,100 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 350 रुपये की गिरावट के साथ 13,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गिरावट के आम रुख के अनुरूप, समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल 375 रुपये की गिरावट के साथ 13,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

जवाबी शुल्क से भारतीय समुद्री खाद्य निर्यात प्रभावित होगा : निर्यातक

अमरावती। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए जवाबी शुल्क से अमेरिका को भारत का समुद्री खाद्य निर्यात बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। भारतीय समुद्री खाद्य निर्यातक संघ (एसईएआई) के अध्यक्ष जी. पवन कुमार ने रविवार को यह बात कही है। वर्ष 2023-24 में भारत का अमेरिका को समुद्री खाद्य निर्यात 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर था।

कुमार ने कहा कि अमेरिका को कुल समुद्री खाद्य निर्यात में से झींगा का हिस्सा 92 प्रतिशत है और हम अमेरिका को झींगा के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता हैं। कुमार ने कहा कि यह शुल्क मूल्य श्रृंखला में सभी हितधारकों को नुकसान पहुंचाएगा और चौतरफा संकट पैदा करेगा। ऐसा माना जा रहा है कि दक्षिण अमेरिकी देश इक्वाडोर की तुलना में भारत निर्यात के मामले में पिछड़ जाएगा, क्योंकि उसपर केवल 10 प्रतिशत का शुल्क लगाया गया है। उन्होंने कहा कि वियतनाम पर 46 प्रतिशत और इंडोनेशिया पर 32 प्रतिशत का जवाबी शुल्क लगाया गया है। इन दोनों देशों की कीमत पर भी इक्वाडोर को फायदा होगा। कुमार के अनुसार, इक्वाडोर अमेरिकी बाजार में सबसे बड़े झींगा आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत की जगह ले सकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय समुद्री खाद्य निर्यातकों के लिए 16 प्रतिशत के इस मार्जिन की भरपाई करना और इक्वाडोर के उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल होगा। इस क्षेत्र में प्रचलित मार्जिन केवल चार-पांच प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि ऊंचा शुल्क नौ अप्रैल से लागू होगा क्योंकि वर्तमान में समुद्री खाद्य के 2,000 कंटेनर अमेरिकी बाजार में पारगमन में हैं। कुमार ने बताया किया कि भारत में निर्यातकों पर शुल्क का प्रभाव लगभग 600 करोड़ रुपये बैठेगा।

उन्होंने कहा कि इतने की कंटेनर शीत भंडार गृह में हैं, जिन्हें अभी भेजा जाना है। चूंकि निर्यात ऑर्डर 'डोरस्टेप' डिलिवरी वाले हैं इसलिए पारगमन में माल के लिए शुल्क का प्रभाव निर्यातकों को वहन करना होगा। इससे निर्यातकों पर भारी बोझ आएगा। उन्होंने बताया कि इसके अलावा बॉन्ड देने और अमेरिकी सरकार की अन्य शर्तों को पूरा करने की आवश्यकता निर्यातकों की कार्यशील पूंजी पर असर डालेगी, जिससे वित्तीय संकट और नकदी प्रवाह में बाधा उत्पन्न होगी।

सेहत/स्वास्थ्य

काली खांसी बच्चों के लिए हो सकती है जानलेवा, एक्सपर्ट्स से जानिए इसका इलाज

बदलते मौसम में सर्दी-जुकाम और इंफेक्शन आदि रोगों का अधिक खतरा बढ़ जाता है। काली खांसी भी ऐसी ही एक समस्या है। ऐसे में आज हम आपको काली खांसी के बचाव के बारे में जानकारी देने जा रहे हैं।

बदलते मौसम में सर्दी-जुकाम और इंफेक्शन आदि रोगों का अधिक खतरा बढ़ जाता है। काली खांसी भी ऐसी ही एक समस्या है। बदलते मौसम में काली खांसी के संक्रमण का खता बढ़ जाता है। अगर आप सोच रहे हैं कि सर्दी जा चुकी है और अब आप खांसी-जुकाम आदि से सुरक्षित हैं, तो आपको सोचना गलत है। क्योंकि किसी भी मौसम में हवा के माध्यम से काली खांसी पैदा करने वाले बैक्टीरिया फैल सकते हैं। इसलिए इसके बचाव की जानकारी आपके पास होना जरूरी है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस बारे में पूरी जानकारी देने जा रहे हैं।

जानिए क्या है काली खांसी

हेल्थ एक्सप्रट्स के मुताबिक काली खांसी ह्यबोडेर्टेला पर्टुसिसह्ल नामक बैक्टीरिया से फैलता है। जो मरीज की श्वसन प्रणाली को प्रभावित करता है। इसको मेडिकल भाषा में पर्टुसिस कहा जाता है।

काली खांसी के लक्षण

काली खांसी के शुरूआती दिनों में नाक बहना या नाक बंद हो जाना, तेज बुखार के साथ खांसी आना और आंखों का लाल हो जाना आदि शामिल है। इसके अलावा काली खांसी के लक्षणों में उल्टी आना, खांसी के साथ गले से आवाज आना और शारीरिक थकान महसूस हो सकती है। इस समस्या के अधिक दिनों तक रहने से सांस लेने में समस्या हो सकती है। इसलिए समय रहते पहचान और इलाज बेहद जरूरी है। इसके साथ ही काली खांसी का खतरा अस्थमा से पीड़ित लोगों में अधिक होता है। अस्थमा के मरीजों को काली खांसी के चलते काफी समस्या आ सकती है। अगर किसी को बचपन में काली खांसी होने से आगे चलकर अस्थमा का खतरा अधिक बढ़ जाता है।

ऐसे करें बचाव

आपको बता दें कि काली खांसी का सबसे अधिक खतरा छोटे बच्चों को होती है। कई बार यह नवजात बच्चों के लिए जानलेवा भी साबित हो सकता है। काली खांसी से बचाव के लिए डीटीएपी (डिप्थीरिया, टेटनस और एसेल्यूलर पर्टुसिस) वैक्सीन लगाई जाती है।

उपचार

काली खांसी के इलाज के लिए हेल्थ एक्सपर्ट्स एंटीबायोटिक दवाओं के सेवन की सलाह देते हैं। वहीं स्थिति गंभीर होने पर पीड़ित व्यक्ति को अस्पताल में भी भर्ती कराया जा सकता है। हालाँकि अगर मरीज की सही तरीके से देखभाल की जाए, तो मरीज को अस्पताल ले जाने की नौबत नहीं आती है। इसलिए आप नीचे बताई गई कुछ सावधानियों को बरत सकते हैं।

भरपूर आराम करें

काली खांकी के कारण मरीज को थकान और कमजोरी का एहसास हो सकता है। ऐसे में पीड़ित व्यक्ति को पर्याप्त आराम करना चाहिए। इसलिए अनावश्यक परिश्रम से बचना चाहिए।

खान-पान का रखें विशेष ध्यान

काली खांसी आने पर अपने खान-पान का ध्यान रखना जरूरी है। इस स्थिति में हल्का और सुपाच्य भोजन करना चाहिए। इस दौरान अधिक तला-भुना व मसालेदार खाने से बचना चाहिए। अधिक से अधिक तरल पदार्थों का सेवन करना चाहिए। वहीं गर्म पेय का सेवन करें, क्योंकि यह खांसी से बचाव में सहायक होता है। आप ग्रीन टी, हल्दी वाला दूध और अदरक से बने काढ़े का सेवन कर सकते हैं।

साफ-सफाई का रखें खास ख्याल

काली खांसी के संक्रमण के फैलने की संभावना को खत्म करने के लिए साफ-सफाई का विशेष तौर पर ध्यान रखना चाहिए। क्योंकि इससे मरीज के आसपास रहने वालों को भी यह अपनी चपेट में ले सकती है। इसलिए काली खांसी से पीड़ित व्यक्ति से मिलने के बाद अपने हाथों को अच्छे से धोना चाहिए।

दवाओं के इस्तेमाल में बरतें सावधानी

काली खांसी के संक्रमण से बचने के लिए सामान्य खांसी की दवा लेने से बचना चाहिए। क्योंकि इससे मरीज की परेशानी बढ़ सकती है। काली खांसी की गंभीर अवस्था होने पर मरीज को सांस लेने में समस्या हो सकती है, ऐसे में मरीज वेपोराइजर का इस्तेमाल कर सकते हैं। लेकिन इसके अधिक इस्तेमाल से बचना चाहिए।

पर्यटन

फैमिली संग वायनाड घूमने का बना रहे प्लान तो एक्सप्लोर करें ये तीन जगहें, कम खर्च होंगे पैसे

"अगर आप हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के हिल स्टेशनों पर घूम-घूमकर बोर हो गए हैं, तो आपको एक बार वायनाड जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। वायनाड में आप ट्रैकिंग, कैंपिंग और सुंदर झरने आदि चीजों को देख सकते हैं।"

केरल अपनी खुबसूरती के लिए पूरे देश में फेमस है। वहीं केरल में घूमने के लिए कई बेहतरीन जगहे हैं। केरल का पहाड़ी जिला वायनाड अपनी खूबसूरती और शानदार नजारों के लिए जाना जाता है। बता दें कि वायनाड केरल का सबसे शांत और सबसे खास हिल स्टेशन है। ऐसे में अगर आप हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के हिल स्टेशनों पर घूम-घूमकर बोर हो गए हैं, तो आपको एक बार वायनाड जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। वायनाड में आप ट्रैकिंग, कैंपिंग और सुंदर झरने आदि चीजों को देख सकते हैं। ऐसे में अगर आप भी वायनाड घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है, आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको वायनाड को एक्सप्लोर करने की पूरी जानकारी देने जा रहे हैं।

इस तरह प्लान करें ट्रिप

अगर आप भी अपने परिवार के साथ वायनाड घूमने का प्लान कर रहे हैं, तो आपको किसी ऐसी जगह जाना चाहिए, जहां पर आपका कम खर्चा आए। इसके लिए आप ट्रेन के जरिए भी इस ट्रिप को पूरा कर सकते हैं। क्योंकि फ्लाइट की तुलना में ट्रेन से ट्रैवल करना आपको सस्ता पड़ेगा। कम खर्च में ट्रिप प्लान कर रहे हैं, तो आप स्लीपर कोच में टिकट बुक कर सकते हैं। बता दें कि स्लीपर कोच में 400-500 रुपए का टिकट होगा। वहीं अगर आप थर्ड एसी कोच में टिकट बुक कराते हैं, तो आपको एक टिकट के लिए 1100 से 1500 रुपए देने होंगे।

ऐसे बुक करें सस्ते होटल

अगर आप वायनाड में कम बजट में होटल बुक करना चाहते हैं, तो यह टिप्स आपके बहुत काम आ सकते हैं। आप चाहें तो स्टे के लिए पहले से ऑनलाइन होटल बुक कर सकते हैं। अगर आप फैमिली के साथ ट्रिप प्लान कर रहे हैं और कम बजट में रूम चाहते हैं, तो हॉस्टल में भी रहने का प्लान कर सकते हैं। हॉस्टल वाले कमरे में 5-6 बेड होते हैं, तो वहीं कई रूम में 3-4 बेड का ऑप्शन होता है। यहां पर आपको 300 से 400 प्रति बेड देने होंगे। इस तरह से आप सस्ते में रूम बुककर पैसे बचा सकते हैं। बता दें कि अंबालावायल, पुथेनकुन्न और मानंतवाड़ी में आपको सस्ते होटल मिल जाएंगे।

वायनाड में घूमने की जगहें

बाणासुर सागर बांध

वायनाड जिला अपने शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। वायनाड में बाणासुर सागर बांध एशिया का दूसरा सबसे बड़ा मिट्टी बांध है। यहां आपको बेहद सुंदर नजारा देखने को मिलता है, जो आपको यहां पर समय बिताने के लिए मजबूर कर देगा। आप यहां पर बच्चों के साथ बोटिंग कर सकते हैं। पहाड़ी की चोटी से गिरता बाणासुर झरना आपके मन को मोह लेगा।

वायनाड वन्यजीव अभयारण्य

आप बच्चों के साथ वायनाड वन्यजीव अभयारण्य घूमने के लिए जा सकते हैं। यहां पर आप सुबह 7:00 बजे से 10:00 बजे तक और दोपहर 3:00 बजे से शाम 5:00 बजे के बीच ही एंट्री मिलती है। एंट्री फीस- बच्चों की एंट्री फीस 5 रुपये हैं। यहां घूमने के लिए एक तय समय है, यात्रा समय केवल 1.5 घंटे है। बता दें कि यहां पर प्लास्टिक चीजें लेकर जाना मना है।

पूकोडे झील

पूकोडे झील देखने के लिए आप सुबह 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे के बीच जा सकते हैं। यहां पर आप बोटिंग का लुत्फ भी उठा सकते हैं। अगर आप यहां पर बोटिंग करना चाहते हैं, तो बता दें कि शाम को 4 बजे के बाद बोटिंग के लिए टिकट नहीं मिलता है। बोटिंग फीस- अगर आप 2 लोगों के साथ बोटिंग करते है, तो 20 मिनट के लिए 100 रुपये फीस देना होगा। फिश स्पा- फिश स्पा के लिए आपको 50 रुपए देने होंगे। इस दौरान सिर्फ आपको 10 मिनट का समय मिलेगा।

ब्यूटी / फैशन

गर्मी में स्किन को सनबर्न से बचाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

सनबर्न से बचने का एक अच्छा तरीका है सनस्क्रीन लगाना। सनस्क्रीन आपकी स्किन पर एक प्रोटेक्टिव लेयर की तरह काम करता है। जिसकी वजह से आपकी स्किन को सनडैमेज की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता है। आप सनस्क्रीन को अपनी स्किन के सभी खुले हिस्सों पर उदारतापूर्वक लगाएं।

गर्मी के मौसम में आपकी स्किन को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। खासतौर से, सूरज की चिलचिलाती गर्मी स्किन को बहुत अधिक परेशान करती है। इससे ना केवल आपकी स्किन डिहाइड्रेटेड हो जाती है, बल्कि आपको सनबर्न की शिकायत हो सकती है। गर्मी के मौसम में स्किन सनबर्न होना बेहद ही आम है। इसके कारण ना केवल आपको स्किन में रेडनेस होती है, बल्कि जलन व दर्द का अहसास भी होता है।

गर्मी में स्किन सनबर्न की समस्या आपको काफी परेशान कर सकती है और फिर हम तरह-तरह के उपाय अपनाने लग जाते हैं। बेहतर होगा कि आप कुछ ऐसे आसान उपाय अपनाएं, जिससे गर्मी में भी आपकी स्किन को सूरज की तेज धूप के कारण कोई परेशानी ना हो।

ऐसा करना इतना मुश्किल भी नहीं है। अगर आप चाहें तो कुछ छोटे-छोटे उपाय अपनाकर अपनी स्किन को आसानी से प्रोटेक्ट कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ आसान उपायों के बारे में बता रहे हैं-

खुद को करें कवर

जब आप गर्मी के मौसम में बाहर निकल रहे हैं तो ऐसे में जरूरी है कि आप खुद को अच्छी तरह कवर करें, जिससे आपकी स्किन सीधे सूरज की किरणों के संपर्क में ना आए। इसके लिए आप कैप जरूर पहनें और फुल स्लीव्स कपड़ों को पहनें। इसके अलावा, अपनी आंखों को धूप से बचाने के लिए सनग्लासेस लगाएं। इतना ही नहीं, आप एक छाता भी जरूर कैरी करें। इससे आप सूरज की किरणों से अपनी स्किन को अधिक बेहतर तरीके से प्रोटेक्ट कर पाएंगे।

लगाएं सनस्क्रीन

सनबर्न से बचने का एक अच्छा तरीका है सनस्क्रीन लगाना। सनस्क्रीन आपकी स्किन पर एक प्रोटेक्टिव लेयर की तरह काम करता है। जिसकी वजह से आपकी स्किन को सनडैमेज की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता है। आप सनस्क्रीन को अपनी स्किन के सभी खुले हिस्सों पर उदारतापूर्वक लगाएं। यदि आपको पसीना आ रहा है या आप स्विमिंग कर रहे हैं तो इसे हर दो घंटे के बाद रि-अप्लाई करें।

रहें हाइड्रेटेड

सनबर्न से बचने के लिए हाइड्रेशन का ख्याल रखना भी बेहद जरूरी है। दरअसल, जब शरीर डिहाइड्रेटेड होता है, तो स्किन सनडैमेज के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाती है। इसलिए, दिनभर भरपूर पानी पिएं। खासकर जब आप बाहर हैं तो इस बात का ख्याल रखना और भी ज्यादा जरूरी हो जाता है।

घरेलू नुस्खे

चिलचिलाती गर्मी में शिकंजी की जगह पी सकते हैं ये 4 लेमन बेस्ड ड्रिंक्स, नोट करें रेसिपी

खासकर गर्मियों में लोग केवल शिकंजी बनाकर पीना ही पसंद करते हैं। लेकिन, आप इस भीषण गर्मी में अन्य तरह की लेमन बेस्ड ड्रिंक्स बनाकर उसका लुत्फ उठाएं। ऐसे में आप इस गर्मी में कई तरह की ड्रिंक्स और कूलर का सेवन कर सकते हैं, जो आपको टेस्ट के साथ-साथ हाइड्रेटेड रखने में भी मदद करेंगे।

दिव्यांशी भदौरिया

गर्मी के मौसम में सेहत का ख्याल रखना बहुत जरुरी होता है। इस मौसम में खुद को हाइड्रेट रखना जरुरी है। अक्सर हम खुद को हाइड्रेटेड रखने के लिए हम सभी पानी का सेवन करते हैं। लेकिन इसके अलावा भी आप कुछ हेल्दी ड्रिंक्स पी सकते हैं। मई में गर्मी से बुरा हाल है, दिनों-दिन पारा बढ़ रहा है। ऐसे में आप इस गर्मी में कई तरह की ड्रिंक्स और कूलर का सेवन कर सकते हैं, जो आपको टेस्ट के साथ-साथ हाइड्रेटेड रखने में भी मदद करेंगे। वहीं आप शिंकजी के अलावा भी कई तरह की लेमन बेस्ड ड्रिंक्स बना सकते हैं, जिसके बारे में आज हम आपको बताएंगे।

लेमन मिंट कूलर

गर्मी के मौसम में नींबू और पुदीने की मदद से लेमन मिंट कूलर तैयार किया जा सकता है। इसके लिए आप पानी में चीनी डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। फिर इसमें नींबू का रस निचोड़ लें और कुछ ताजा पुदीने की पत्तियों को धीरे से कुचलकर मिक्स कर लें। अब इन्हें गिलास में डालें। इसके साथ ही बर्फ के टुकड़े डालकर परोसें।

लेमन आइस्ड टी

अगर आपको चाय पीना पसंद है, तो आप गर्मी के मौसम में नींबू की मदद से आइस्ड टी बना सकते हैं। सबसे पहले आप एक सॉस पैन में एक कप पानी उबालें। अब गैस बंद करके इसमे टी बैग्स डालकर 5 मिनट तक ऐसे ही रहने दें। अब इसमें नींबू का रस एक कप पानी उबालें। अब इसमें नींबू का रस और चीनी डालकर मिक्स करें। अब इसे थोड़ा ठंडा होने दें। अंत में, इसे ठंडा करने के लिए फ्रिज में रखें।

वाटरमेलन और लेमन कूलर

तरबूज और नींबू की मदद से बनने वाली यह ड्रिंक आपके शरीर को ठंडक देगी और आपको बेहद ही रिफ्रेशिंग फील होगा।

आपके शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की पूर्ति भी करता है। इसके लिए तरबूज के क्यूब्स लें और उसमें से बीज निकाल लें। इसे फिर ब्लेंड कर लें, जूस को छानकर एक गिलास में डालें। साथ ही, बर्फ के टुकड़े, चीनी की चाशनी और नींबू का रस डालकर मिक्स करें और इसे ठंडा-ठंडा सर्व करें।

वार्जिन मोजितो

वैसे यह एक नॉन-अल्कोहल ड्रिंक है, जिसे आप किसी पार्टी में भी सर्व कर सकते हैं।

इसे पुदीना और नींबू का इस्तेमाल किया जाता है। इसके लिए एक जार में क्लब सोडा डालें। अब इसमें बर्फ के टुकड़े डालें। इसमें कुटी हुई पुदीने की पत्तियां डालें और अच्छी तरह मिक्स करें। अब इसमें सोडा के मिश्रण में नींबू का रस, चीनी और नमक का घोल मिक्स करें। इसमें नींबू के टुकड़ों से सजाकर ठंडा-ठंडा सर्व करें।

श्री पीतांबरा विद्यापीठ सीकरीतीर्थ में संपन्न हुआ नवरात्र पूजन

कन्याओं ने भंडारे का शुभारंभ कर वितरित किया प्रसाद

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। गत वर्षों की भांति परम्बा मां श्री पीतांबरा की कृपा से श्री पीतांबरा विद्यापीठ सीकरीतीर्थ पर चैत्र नवरात्र का पर्व विधिवत पारणा के साथ संपन्न हुआ। मां भगवती के साधक पुत्रों ने अखंड ज्योति के साथ नित्य रात्रिपूजन और यज्ञ किए। नवमी को नवरात्र पारण के साथ कन्याओं का पूजन किया गया और उसके बाद कन्याओं के द्वारा शुद्ध भोग प्रसाद भंडारे का वितरण किया गया। भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और धर्मलाभ उठाया।

खेल,शिक्षा, संस्कार व स्वच्छता के क्षेत्र में नंबर वन है छाया स्कूलः विनोद वैशाली

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नगरीय निकाय में विभिन्न व्यवस्थाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग हेतु स्थापित डेडीकेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर के 3 वर्ष पूर्ण होने पर नगर पालिका मोदीनगर सभागार में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मोदीनगर छाया पब्लिक स्कूल को मोदीनगर क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ स्कूल के पुरस्कार से नवाजा गया। यह पुरस्कार अधिशासी अधिकारी नरेंद्र मोहन मिश्र व नगर पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली के द्वारा स्कूल के प्रधानाचार्य निदेशक डॉ.अरुण त्यागी को प्रशस्ति पत्र व सम्मान प्रतीक देकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली ने कहा की छाया पब्लिक स्कूल हमारे शहर का एक ऐसा विद्यालय है। जिसने खेल, शिक्षा व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में देश ही नहीं विदेश में भी मोदीनगर का नाम रोशन किया है। मोदीनगर की जनता इस उपलब्धि पर गर्व महसूस करती है। उन्होंने कहा कि आज पालिका द्वारा छाया पब्लिक स्कूल को सर्वश्रेष्ठ स्कूल घोषित करते हुए हमें अपार खुशी का अनुभव हो रहा है और हम उम्मीद करते हैं की विद्यालय ऐसे ही शहर का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसे ही रोशन करता रहे।

इस अवसर परे अधिशासी अधिकारी नरेंद्र मोहन मिश्र आर.आई.अंकित चौधरी सभासद प्रदीप शर्मा शिवानी कुंडू आदि गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी रही।

भाजपा जिलाध्यक्ष चैनपाल सिंह की अध्यक्षता में जिला कार्यालय पर हुई जिला बैठक

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। भाजपा जिलाध्यक्ष चैनपाल सिंह की अध्यक्षता में जिला कार्यालय नेहरू नगर पर जिला बैठक हुई गुरुवार को भाजपा जिला अध्यक्ष चैनपाल सिंह की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री चंद्रमोहन की उपस्थिति में जिला बैठक जिला कार्यालय नेहरू नगर पर संपन्न हुई बैठक में मुख्य अतिथि ने कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए कहा भाजपा पार्टी ही एकमात्र ऐसी पार्टी ने जिसने हर वर्ग के लिए निरंतर कार्य किये और करती हैं भाजपा पार्टी सभी वर्ग के लोगो की उन्नति के लिए नयी नयी योजनाएं लती हैं जिसका सभी लोगों को फायदा मिल सके ।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष चैनपाल ने कार्यकताओं को आगामी आयामों के विषय में जानकारी दी और सभी आयामों पर संयोजको की नियुक्ति कर जिम्मेदारी सौपी साथ ही उन्होंने अपने उधद्बोधन में कहा की हमें भाजपा के सभी आयामों को सफल बनाना हैं और पार्टी की रीति नीतियों की जानकारी बूथ स्तर पर पंहुचानी हैं ताकि सभी लोग भाजपा सरकार की योजनाओं का लाभ उठा सके इस अवसर पर मोदीनगर विधायक डॉ मंजू सिवाच पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश सिंघल ब्लॉक प्रमुख सुचेता सिंह डॉ पर्मेन्द्र जांगड़ा सुधीर पगड़ी ने भी अपने विचार व्यक्त किये बैठक में मुख्य रूप से जिला पदाधिकारी मोर्चो के जिलाध्यक्ष मण्डल अध्यक्ष आयामों के जिला संयोजक विधानसभा संयोजक मण्डल संयोजक सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

भाजपा का 45वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

हापुड़। नगर तहसील क्षेत्र के प्रीत विहार स्थित जिला कार्यालय पर पार्टी का 45वां स्थापना दिवस मनाया गया। जिला अध्यक्ष नरेश तोमर ने कहा कि भाजपा की सफलता के पीछे संघर्षों की लंबी कहानी है। भारतीय जनता पार्टी हापुड़ के समस्त कार्यकर्ता रविवार को प्रीत विहार स्थित जिला कार्यालय पर इकठ्ठा हुए और जिला अध्यक्ष नरेश तोमर के नेतृत्व में सभी ने हर्ष उल्लास के साथ पार्टी का स्थापना दिवस मनाया।

पार्टी का स्थापना दिवस मनाते हुए जिला अध्यक्ष नरेश तोमर और क्षेत्रीय महामंत्री विकास अग्रवाल ने ध्वजारोहण किया तथा कार्यकताओं को लड्डू खिलाकर उनका मुंह मीठा कराया। इस दौरान क्षेत्रिय महामंत्री विकास अग्रवाल ने कहा कि हमारे लिए यह बहुत ही सौभाग्य का विषय है कि आज 45 वां स्थापना दिवस मनाते हुए हमें गर्व की अनुभूति हो रही है।

पूर्व जिलाध्यक्ष ने विकास कार्यों की उपलिब्ध को बताया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना के अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष सिंघल, किसान मोर्चा जिला मंत्री संजय त्यागी, मोदीनगर देहात मंडल अध्यक्ष सचिन त्यागी, पूर्व जिला उपाध्यक्ष राकेश त्यागी, पूर्व मंडल अध्यक्ष अरूण त्यागी ने आज मोदीनगर देहात मंडल के हर बूथ पर जाकर कार्यकताओं को भारतीय जनता पार्टी की स्थापना और पिछले 8 वर्षों के दौरान पार्टी द्वारा किए गए विकास कार्यों की उपलब्धि के बारे में कार्यकताओं को बताया गया।

मिशन शक्ति अभियान के तहत बालिकाओं और महिलाओं को किया जागरूक

हापुड़। प्रदेश सरकार की महत्वकांक्षी योजना मिशन शक्ति अभियान के तहत जिले में लगातार पुलिस द्वारा ग्राम, कस्बा, मौहल्ला, शिक्षण संस्थानों इत्यादि पर भ्रमण, चौपाल लगाकर छात्राओं-बालिकाओं एवं महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह के निर्देशन में जिले में मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला पुलिसकर्मियों द्वारा बालिकाओं और छात्राओं को जागरूक किया गया। इस दौरान टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को वूमेन पावर हेल्पलाइन-1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सीएम हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930, गुड टच, बेड टच आदि के बारे में जानकारी दी गई।

आईटीएस डेंटल कॉलेजः स्वास्थ्य शिविर में लोगों कराई जांच

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मुरादनगर। आईटीएस डेन्टल कॉलेज में मार्च 2025 में राष्ट्रीय सेवा योजनाओं विभिन्न शिविरों के अंतर्गत जनपद के विभिन्न स्थानों पर शिविरों का आयोजन किया, जहां एमएसएस स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक आउटरीच गतिविधियों में भाग लिया और वंचित वर्ग को मौखिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की। इस दौरान लगभग 4500 मरीजों शिविरों में निशुल्क जांच व उपचार का लाभ उठाया।

बीते माह में जनपद के पांची, जलालाबाद, मसूरी, भोपुरा, लाजपत नगर, लोनी, मोदीनगर, समयपुर, कचेड़ा, नंदग्राम, फरूकनगर, खिमावती और रहीसपुर आदि के साथ-साथ सांगवान हाइट्स, ऑक्सी होम्स, एग्जीक्यूटिव फ्लोर और एसजी ग्रैंड टी आदि विभिन्न सोसायटियों में भी दंत चिकित्सा स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। शिविर स्थल पर आने वाले सभी मरीजों को अच्छी मौखिक स्वच्छता बनाए रखने के महत्व के बारे में जागरूक किया तथा जरूरतमंद लोगों को दंत चिकित्सा सेवा प्रदान की गयी।

संस्थान के 21 से अधिक दंत विषेषज्ञों की टीम ने दंत शिविरों में लगभग 4500 लोगों की मौखिक स्वास्थ्य की निषुल्क जांच की गई। विशेष रूप से दांतों की सड़न, मसूड़ों की बीमारियों, दंत फ्लोरोसिस और उन्हें रोकने के उपायों पर जोर दिया गया। इसके साथ ही उन्हें कैरियोजेनिक खाद्य पदार्थो के बारे में शिक्षित किया गया जो दांतों की सड़न पैदा कर सकते है। शिविर स्थल पर मरीजों के दांत निकाले गये, दांतो की सफाई, दांतों की सड़न को रोकने के लिए एपीएफ जैल लगाया गया व मरीजों का एक्स-रे तथा दांतो मे मसाला भी भरा गया। इसके साथ मरीजों को तंबाकू समाप्ति पर परामर्ष भी दिये गये।

एसआरएम में स्वयंसेवकों के राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। एसआरएम स्वयंसेवकों इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, दिल्ली-एनसीआर परिसर में आयोजित यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज (यूएचवी) स्वयंसेवक के राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समापन सत्र की शुरूआत होस्ट संस्थान द्वारा यूएचवी फाउंडेशन के सम्मान के साथ हुई। इसके पश्चात रजुल अस्थाना, पूर्व निदेशक, सेंटर फॉर ह्यूमन वैल्यूज (आईआरसी-यूएचवीई) द्वारा सम्मेलन का सार प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर एसआरएमआईएसटी द्वारा यूएचवी फाउंडेशन को उनके सतत प्रयासों एवं अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सम्मेलन की गतिविधियों एवं चचाओं का सारांश प्रस्तुत किया गया, जिसके उपरांत 120 से अधिक स्वयंसेवकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए सम्मेलन से प्राप्त प्रेरणा एवं शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त, संकाय सदस्यों - राज्य आनंद संस्थान से डॉ. सत्य प्रकाश आर्य, डॉ. कुमार संभव, यूएचवी रिसोर्स पर्सन, डॉ. गोपाल बाबू, एकेजीईटी, प्रोफेसर, गणेश बागरिया, यूएचवी गतिविधियों के प्रमुख मार्गदर्शक को धन्यवाद दिया गया। जिनके अथक प्रयासों से इस यू एच वी कॉन्फ्रेंस को और अधिक प्रभावशाली बनाया गया। इस अवसर पर प्रो. धौम्या भट्ट, डीन, आईक्यूएसी प्रो. नवीन अहलावत, डीन, विज्ञान एवं मानविकी; तथा प्रो. आर. पी. महापात्रा, डीन, एसआरएम आईएसटी ने सम्मेलन को संबोधित किया।

सभी वक्ताओं ने सम्मेलन में प्रस्तुत विचारों की प्रासंगिकता एवं उनके शैक्षणिक और सामाजिक प्रभाव की सराहना की। कार्यक्रम का समापन यूएचवी फाउंडेशन के संस्थापकों द्वारा आभार प्रदर्शन के साथ हुआ। इस सत्र में उपस्थित सभी लोगो ने निदेशक डॉ.एस.विश्वनाथन, डॉ. आर. पी. महापात्रा, डीन एस.आर.एम.आई.एस.टी, डॉ. नवीन अहलावत, डीन वि हीज्ञान एवं मानविकी,डॉ. धौम्या भट्ट, डीन आईक्यूएसी , डीन रिसर्च डॉ. गीता भवानी के मार्गदर्शन से स्थानीय कार्यक्रम समन्वयक डॉ पल्लवी जैन, डॉ महेश गुप्ता, यू एच वी सेल सदस्यों दधीश, मुदित,संजीव, ज्ञानेन्द्र, अंकित एवं सभी यूएचवी सेल सदस्यों और इवेंट मैनेजमेंट सदस्यों दुआरा आयोजित उत्कृष्ट आयोजन के लिए अपना हार्दिक आभार व्यक्त किया। अंत में, सभी प्रतिभागियों एवं अतिथियों के साथ एक समूह चित्र का आयोजन किया गया, जो इस स्मरणीय आयोजन की सुंदर स्मृति के रूप में अंकित हुआ।